राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, 19 मार्च-2023 वर्ष-6, अंक-54 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार का यूट्यूबर मनीष कश्यप ने किया सरेंडर, तमिलनाडु केस में EOU करेगी पूछताछ

पटना। तमिलनाडु में बिहारियों के खिलाफ कथित हिंसा और मारपीट मामले में भ्रामक वीडियो प्रसारित करने के ओआरोपी बनाए गए यूट्यूबर मनीष कश्यप ने सरेंडर कर दिया है। घर पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई शुरू होने के बाद मनीष कश्यप ने जगदीशपुर थाने में सरेंडर कर दिया। खबरों के मुताबिक मनीष को आर्थिक अपराध इकाई को सौंपा जा रहा है। ईओयू उनसे पूछताछ करेगी। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद कई थानों की पुलिस मनीष कश्यप के घर पर कुर्की जब्ती के लिए पहुंची। उनके घर पर बुलडोजर भी चलाए गए और घर के सामान जब्त किए गए। मनीष कश्यप का घर बेतिया के मझौलिया थाना अंतर्गत महना डुमरी गांव में है। मनीष कश्यप पर तमिलनाडु केस के अलावे बेतिया में 7 अपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 5 मामलों में चार्जशीट दायर है। मनीष ने पटना हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। याचिका रद्द कर दिए जाने के बाद वह फरार चल रहे थे। कई मामलों में पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। पुलिस की दबिश बढ़ाए जाने के बाद उन्होंने सरेंडर कर दिया है।

मनीष कश्यप के चार बैंक खातों में जमा 42 लाख फ्रीज, गिरफ्तारी वारंट जारी

सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय यूट्यूबर मनीष कश्यप के मझौलिया थाने के डुमरी महना स्थित घर की कुर्की पुलिस ने शनिवार को शुरू की। पांच बजे से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल, मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारी उसके घर पर पहुंचने लगे। तय समय पर कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी गई। इधर, पुलिस दबिश पर मनीष ने जगदीपुर थाने में सरेंडर कर दिया। एसडीपीओ मुकुल परिमल पांडे ने बताया कि मनीष कश्यप फरार चल रहा था। उसके घर की कुर्की की गई। उसके बाद करीब नौ बजे उसने जगदीशपुर थाने में सरेंडर कर दिया।

राजस्थान में अशोक गहलोत ही होंगे सीएम कैंडिडेट? कांग्रेस ने दिया संदेश, पायलट की उड़ान पर ब्रेक

राजस्थान में सीएम गहलोत के नेतृत्व में 2023 का चुनाव लड़ा जाएगा। सीएम फेस अशोक गहलोत ही होंगे। इसको लेकर कांग्रेस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम से बड़ा मैसेज दिया गया है। बड़ा सवाल है कि पायलट का क्या होगा।

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही 2023 का चुनाव लड़ा जाएगा। इसको लेकर कांग्रेस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम से बड़ा मैसेज दिया गया है। ﾠद्धष्टष्ट के इंस्टाग्राम पर ÷गहलोत फिर से÷ संदेश लिखा है। राजनीतिक विश्लेषक इसके अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस की सरकार रिपीट होती है तो गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि सचिन पायलट का क्याा होगा? पायलट कैंप नाराज हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में गहलोत और पायलट कैंप के किसी भी नेता का बयान सामने नहीं आया है। लेकिन यह तय माना जा रहा है कि पायलट कैंप के विधायक अंदर खाने इस तरह की मैसेजे से नाराज है।

उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश में कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि था कि सीएम कौन होगा, इसका फैसला चुनाव के बाद ही होगा। गहलोत और पायलट पार्टी की धरोहर हैं। लेकिन अब AICC के मैसेज से पायलट कैंप के विधायक नाराज हो सकते है। पायलट कैंप के माने जाने वाले विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा और वेदप्रकाश सोलंकी समेत अन्य विधायक लगातार नेतृत्व परिवर्तन की मांग करते रहे हैं।

गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा चुनाव

कांग्रेस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक रील में गहलोत सरकार की उपलब्धियां रखी हैं। फिर मिशन

2023-28 लिखकर गहलोत फिर से का संदेश दिया गया है। मतलब AICC ने भी साफ संदेश दिया है कि अगला चुनाव गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और कांग्रेस के जीतने पर वही मुख्यमंत्री भी बनेंगे।

सभी दलों ने शुरू की तैयारी

आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, ओवैसी की पार्टी और वामदलों ने चुनाव लड़ने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। आरएलपी संयोजक हनुमान बेनीवाल लगातर गहलोत सरकार को घेर रहे हैं। जबकि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में राजधानी जयपुर में तिरंगा रैली का आयोजन कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। ओवैसी ने भी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

गोधरा मामले में 24 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने गुजरात सरकार से मांगा विवरण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह 24 मार्च को गुजरात सरकार की अपील और 2002 के गोधरा ट्रेन आगजनी मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कई दोषियों की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने इस बीच गुजरात सरकार के वकील और दोषियों को एक साफ्ट कापी प्रदान करने का भी निर्देश दिया, जिसमें विवरण हो कि उन्हें वास्तविक सजा कितनी थी और वह अब तक जेल में कितनी अवधि बीता चुके हैं।

11 दोषियों को मौत की सजा देने की मांग करेगी राज्य सरकार

राज्य सरकार ने 20 फरवरी को शीर्ष अदालत को बताया था कि वह उन 11 दोषियों को मौत की सजा देने की मांग करेगी जिनकी 2002 के गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में सजा को गुजरात उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास में बदल दिया था।

बच्चों सहित 59 लोगों को जिंदा जला दिया गया था-तुषार मेहता

सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार

मेहता ने कहा था कि यह दुर्लभतम मामला है, जहां महिलाओं और बच्चों सहित 59 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। बोगी को हर जगह से बाहर से बंद कर दिया गया था ताकि कोई निकल न सके। सभी जिंदा जल गए थे। इसके बाद राज्य में दंगे भड़क उठे थे।

मौसम ने एक बार फिर से ली करवट...पूरे देश में इस समय बरसात, आंधी और ओलों का कहर जारी

नई दिल्ली- पूरे भारत में मौसम ने एक बार फिर से करवट ले ली है। बता देंकि इस समय बेमौसम की बरसात के साथ ही आंधी और ओलों का कहर टूट रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 18 से 20 मार्च तक उत्तर पश्चिम भारत के पश्चिमी हिमालयी इलाके, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ काफी व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं इसके साथ ही अगले 4 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई जगहों पर ओले गिरने की भी संभावना है, ऐसे में लोगों को गर्मीसे थोड़ी राहत जरूर मिलेगी ।

आईएमडी के मुताबिक पश्चिम और मध्य भारत के गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 18-19 मार्च के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर 18 मार्च को ओले भी गिर सकते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में शनिवार सुबह हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में शहर में गरज के साथ और बारिश होने का अनुमान जताया है। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। वहीं, अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में शनिवार सुबह आठ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यू) 231 दर्ज किया गया, जो 'खराब श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा, 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक, 101 से 200 के बीच 'मध्यम, 201 से 300 के बीच 'खराब, 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब और 401 से 500 के बीच 'गंभीर माना जाता है।

एसटीएफ बंगाल व बिहार पुलिस ने किया कटिहार में हथियार के कारखाने का भंडाफोड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में पश्चिम बंगाल के मालदा और बिहार के कटिहार की सीमा पर मौजूद अहमदाबाद थाना क्षेत्र में एक गैर कानूनी हथियार कारखाने का भंडाफोड़ किया है। बंगाल पुलिस एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने शनिवार सुबह इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ को मुखबिरों से पुख्ता सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल के मालदा जिला अंतर्गत रतुआ थाना क्षेत्र और बिहार के कटिहार में अहमदाबाद थाना क्षेत्र के बीच नारू कर्मकार

नाम के एक व्यक्ति के घर गैरकानूनी तरीके से बंदूक बनाने का कारोबार चल रहा है। इसके बाद शुक्रवार शाम कटिहार पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मिलकर संयुक्त रूप से छापेमारी की। हालांकि, मकान का मालिक मौके से फरार हो गया, लेकिन वहां से दो इंप्रोवाइज बंदूकें, एक अर्ध निर्मित बैरल, एक अर्ध निर्मित बंदूक और बंदूक बनाने के अंदर सामान बरामद हुए हैं। कटिहार में अहमदाबाद थाने की पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नारू कर्मकार फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसकी तलाशी अभियान को तेज कर दिया है।

यूपी में बिजली कर्मियों की हड़ताल पर सख्त हुई सरकार, 650 को नौकरी से निकाला...वाटर सप्लाई न होने से लोगों में परेशानी

लखनऊ- विद्युतकर्मियों की हड़ताल पर हाईकोर्ट के सख्त कदम उठाने के कुछ घंटों बाद ही यूपी सरकार ने सख्त रवैया अपनाया है। 650 आउटसोर्सिंग संविदाकर्मियों के सेवा समाप्त कर दी गई है। जिन कर्मियों की सेवा समाप्त हुई है, उनमें पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के 242 कर्मी, मध्यांचल वितरण निगम 110 कर्मी, पश्चिमांचल में 60 और दक्षिणांचल 38 कर्मियों पर कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्युत कर्मियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अराजकता फैलाने वाले बिजली कर्मी सूचीबद्ध होंगे। बिजली फीडर बंद करने वालों पर कार्रवाई होगी।

इस पर उर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि अगर किसी कर्मी ने विद्युत लाइन में फॉल्ट किया तो उसको आकाश-पाताल से

भी ढूंढ निकालेंगे। कोर्ट का सख्त आदेश है कि विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि संगठन के नेताओं के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया है। सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

उर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि इस हड़ताल के लिए बिजली संगठनों के कुछ गैर जिम्मेदार नेता जिम्मेदार हैं। बैठक के दौरान हमने उनकी मांगों को लेकर समझाया भी था, लेकिन वह अपनी 'हठधर्मिता' पर अड़े हैं। हम अब भी उनको समझाने की कोशिश कर रहे हैं। उनसे मांग कर रहे हैं कि वह अपनी हड़ताल को खत्म कर अपने-अपने काम पर लौट जाएं। हड़ताल से कुछ जगहों पर बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है। इसको लेकर रिपोर्ट मांगी गई है।

लोगों को हो रही पानी की समस्या

बता दें कि बीते गुरुवार से राज्य के बिजली कर्मचारी हड़ताल पर हैं। आज कर्मचारियों की हड़ताल का तीसरा दिन है। हड़ताल से कई जिलों में विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। जगह-जगह फीडर बंद होने से बिजली नहीं आ रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी पानी को लेकर है, क्योंकि बिजली नहीं आने ने वाटर सप्लाई नहीं हो पा रही है। लोगों का कहना है कि सरकार जल्द से जल्द बिजली कर्मियों से बात कर इस हड़ताल को खत्म कराए।

19 राज्यों में कोरोना संक्रमण में बढ़ोतरी का रुझान; केंद्र ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। देश में एच3एन2 फ्लू के संक्रण के बीच कोरोना के मामले भी बढ़ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण में बढ़ोत्तरी का रुझान है। दणिक्षी राज्यों में संक्रमण दर में बढ़ी है इसलिए सरकार से ज्यादा से ज्यादा जांच पर जोर दे रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अभी 19 राज्यों में संक्रमण बढ़ रहे हैं जबकि 17 राज्यों में या तो घट रहे हैं या नए मामले नहीं आए हैं। पिछले चौबीस घंटों के दौरान चार राज्यों में एक-एक मौतें भी दर्ज की गई हैं। करीब पांच हजार सक्रिय मामले इस समय मौजूदा है। एक दिन में 403 नये आने को चिंताजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि कुछ समय पूर्व तक नए संक्रमण सौ से नीच रह गए थे।

इन राज्यों में बढ़ रहे संक्रमण के मामले

जिन राज्यों में संक्रमण बढ़ रहा है, उनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, गोआ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, लद्दाख, ओडिशा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश शामिल हैं। जिन

राज्यों में मौते दर्ज की गई हैं, उनमें उत्तर प्रदेश, पांडिचेरी, केरल तथा हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

ऑक्सफोर्ड को मना कर राहुल को आईना दिखा गए वरुण गांधी, कांग्रेस में जाने की सारी संभावनाएं खत्म?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुजरात समेत दक्षिण के कई राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। लेकिन सभी राज्यों से कहा है कि वह बुखार जैसे लक्षणों वाली बीमारियों की निगरानी और जांच सुनिश्चित करें। साथ ही पांच फीसदी नमूनों की जीनोम सिक्वेंसिंग भी कराएं ताकि वायरस में किसी प्रकार के बदलाव को समय रहते पकड़ा जा सके।

9 जिलों में संक्रमण दर 10 से ऊपर पहुंची

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार बीते सप्ताह 9-15 मार्च की अवधि के दौरान देश के नौ जिलों में संक्रमण दर दस फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। यह जिले कोरोना के हाटस्पाट बनकर उभर रहे हैं। इनमें उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में सबसे ऊंची 40 फीसदी संक्रमण दर पाई गई है। दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश का रतलाम जिला है जहां यह 18.18 फीसदी, तीसरे नंबर पर हिप्र का मंडी है जहां यह दर 15.04 फीसदी रह। शिमला में 14.84, इसके बाद मध्य प्रदेश के धार और गुजरात के बोटाद जिले हैं जहां यह दर 14.29 फीसदी दर्ज की गई है। अन्य जिलों में सोलन में 12.91, नीमच में 11.11 तथा राजस्थान के डूंगरगढ़ में संक्रमण दर 10 फीसदी दर्ज की गई है। इसके अलावा 23 जिले ऐसे हैं जहां संक्रमण दर 5-10 फीसदी के बीच दर्ज की गई है। इनमें गोआ, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु के जिले शामिल हैं। बाकी जिलों में संक्रमण दर पांच फीसदी से नीचे है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इन जिलों की स्थिति पर नजर रखे हुए है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर तेज संक्रमण

क्या फिर कोरोना की वापसी हो रही है? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, भारत में कोरोना के दैनिक मामले 700 का आंकड़ा पार कर गए हैं। सक्रिय मामले 109 दिन के बाद 5,000 के पार पहुंचे हैं, तो चिंता जायज है। शुक्रवार को इसके सक्रिय मामलों की संख्या 5,026 हो गई है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि देश में 4,46,93,500 से ज्यादा लोग कोरोना पीड़ित हुए हैं। शुक्रवार को दर्ज हुई पांच मौतों के बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,30,795 हो गई है। करीब 4,41,57,685 लोग कोरोना के बाद स्वस्थ हुए हैं और इनमें से कई तो एकाधिक बार संक्रमण का शिकार बने। खतरा अभी टला नहीं है, शायद टीके का प्रभाव कम हो गया हो। इस बारे में आधिकारिक रूप से अभी कोई सूचना सार्वजनिक नहीं है। क्या अब जिनको कोरोना हो रहा है, उन्हें टीके पूरे लग चुके थे या यह नया संक्रमण नए वेरिएंट का नतीजा है? कोरोना अध्ययन के मोर्चे पर हमें लगातार काम करने की जरूरत है। वैसे, अभी ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं, पर सावधान रहना समय की मांग है। एकाधिक प्रकार के फ्लू फैल रहे हैं, इस बीच कोरोना वायरस भी हमला बोलने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को छह सबसे अधिक प्रभावित राज्यों- महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक को विशेष रूप से सावधान किया है। जोखिम कितना है, निगरानी कैसी हो रही है, इसका आकलन लगातार करना जरूरी है। जांच की सुविधा तो लगभग हर जगह फिर चाक-चौबंद हो जानी चाहिए। सभी सरकारी अस्पतालों में अलग से यह व्यवस्था चलाने में कोई हर्ज नहीं है। बढ़ते मामलों में सबसे आगे महाराष्ट्र है और उसके बाद गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल हैं। इन राज्यों में किस तरह की सतर्कता बढ़ाई जा सकती है, यह विशेषज्ञों को तय करना चाहिए। वैसे भी देश के लगभग सभी राज्यों में वायरल इन्फ्लूएंजा के मामलों में वृद्धि हुई है और लक्षण कोविड-19 के समान हैं, जैसे कि गले में खराश, बुखार, बदन दर्द, थकान इत्यादि। वैज्ञानिकों को लग रहा है कि कोरोना का एक नया वेरिएंट ताजा संक्रमण के पीछे हो सकता है। यह कोविड-19 के एक्सबीबी श्रेणी का एक्सबीबी1.16 वेरिएंट है। तेजी से फैल रहे इस वेरिएंट को चीन, सिंगापुर, अमेरिका व अन्य देशों में भी पाया गया है। एक्सबीबी1.16 वेरिएंट वास्तव में एक्सबीबी1.15 वेरिएंट से नहीं निकला है, बल्कि यह अपने मूल एक्सबीबी श्रेणी से विकसित हुआ है, इसलिए यह ज्यादा संक्रमणशील है। इस कोविड वेरिएंट के सर्वाधिक 48 मामले भारत में बताए जा रहे हैं। सिंगापुर में 14 और अमेरिका में 15 मामले हैं, मतलब भारत को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। कोरोना अभी गया नहीं है। अब भी दुनिया में प्रतिदिन एक लाख तीस हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। आज जापान तो ज्यादा ही पीड़ित है, वहां कोरोना के एक करोड़ से ज्यादा सक्रिय मामले हैं, जबकि अमेरिका में अब भी 12 लाख से ज्यादा लोग पीड़ित हैं। उत्तर भारत में अभी ज्यादा चिंता की स्थिति नहीं है। उत्तर प्रदेश में कुल 61 सक्रिय मामले हैं। बिहार, झारखंड इत्यादि में तो अब यह कतई चिंता का विषय नहीं रह गया है। अच्छा है, भारतीयों को कोविड वैक्सीन की 220.64 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं, लेकिन तब भी देश-दुनिया में हो रहे संक्रमण पर निगाह रखना बहुत जरूरी है।

विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगें गहलोत

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने में कुछ महीनों का ही समय शेष रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। कांग्रेस में चल रहा नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा भी खत्म सा हो गया है। यह तय हो गया है कि अगला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। उनके प्रतिद्वंदी सचिन पायलट ने भी अब मान लिया है कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का समय निकल चुका है। इसीलिए उनकी नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी बंद हो गई है। अब सचिन पायलट कहने लगे हैं कि पार्टी के सभी लोगों की एकजुटता से ही अगला विधानसभा चुनाव जीता जा सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मालूम है कि सरकार चाहे कितने ही विकास के कार्य करवायें। जनता हर पांच साल के बाद सत्ता बदल देती है। राजस्थान के लोगों का मानना है कि सत्ता बदलने से प्रदेश में और अधिक तेजी से विकास कार्य होते हैं। अशोक गहलोत ने अपने पांच साल के कार्यकाल में सचिन पायलट को तो मात दे दी है। मगर अब उनके समक्ष विधानसभा चुनाव सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़े हैं। जहां उन्हें सभी विपक्षी दलों को परास्त कर फिर से सरकार बनानी होगी। गहलोत को पता है कि कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते आम जनता में पार्टी के प्रति अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए अशोक गहलोत प्रदेश में विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। गहलोत के सोच की झलक इस बार राजस्थान के आम बजट में भी देखने को मिली है। गहलोत ने अपने इस कार्यकाल के अंतिम बजट को पूरी तरह आमजन का विकासोन्मुखी बजट बनाया है। बजट में प्रदेश के आम आदमी का पूरा ख्याल रखा गया है। उनके हित की बहुत सारी योजनाएं शुरू करने की घोषणा की गई है। जिसका गहलोत पूरा राजनीतिक लाभ उठायेगें। गहलोत ने सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से प्रदेश के वृद्ध नागरिकों, विधवा महिलाओं, विकलांगो, अनाथ बच्चों को मिलने वाली मासिक पेंशन राशि में बढ़ोतरी करने की घोषणा कर उन्हें बड़ा आर्थिक संबल प्रदान किया है। जिसका लाभ उन्हें चुनाव में मिलना तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री बनते ही गहलोत ने उक्त सभी लोगों को मिलने वाली पेंशन की राशि में भी बढ़ोतरी की थी।

अपने विकास के एजेंडे के तहत ही मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के निर्माण को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों को पीने का पानी तो मिलेगा ही साथ ही दो लाख 80 हजार हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान के लोगों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बनी हुई है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस परियोजना को केंद्रीय प्रोजेक्ट घोषित कर पूरा करवाने की बात कही थी। मगर केंद्र सरकार ने इस परियोजना को आज तक अपने हाथ में नहीं लिया है। इसी मुद्दे को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बड़े जोर शोर से उठा रहे हैं। पूर्वी राजस्थान के झालावाड़, बांरा, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर सहित इन 13 जिलों में राजस्थान की एक तिहाई से अधिक आबादी रहती है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से इस क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति तो सुदृढ़ होगी ही साथ ही उन्हें आने वाले लंबे समय तक पीने का पानी भी उपलब्ध हो सकेगा। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीट आती है। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीट है। राजनीतिक रूप से भी इन 13 जिलों में अभी कांग्रेस मजबूत स्थिति में है। मुख्यमंत्री गहलोत इस नहर परियोजना के मुद्दे पर इस क्षेत्र में अपनी पार्टी की पकड़ को और भी मजबूत करने में लगे हुए हैं। इसीलिए मुख्यमंत्री गहलोत ने इस परियोजना को गति देने के लिए हाल ही में 14 हजार 200 करोड रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत सरकार ने अपने पिछले वर्ष के बजट में भी इस परियोजना के लिए 9 हजार 600 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की थी। इस तरह प्रदेश सरकार ने इस परियोजना पर अब तक 23 हजार 800 करोड रुपए की स्वीकृति जारी कर चुकी है। इससे उक्त परियोजना में नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना, निर्माणाधीन नवनेरा बैराज एवं ईसरदा बांध, रामगढ़ एवं महलपुर बैराज का निर्माण, नवनेरा बैराज, मेज एनीकट तथा गलवा बांध में पंपिंग और विद्युत स्टेशन स्थापित करने तथा बाढ़ के पानी को संग्रहित करने सहित विभिन्न कार्य पूरे किए जा सकेंगे। इसके साथ ही बीसलपुर बांध की ऊंचाई आधा मीटर बढ़ाने तथा 202.42 किलोमीटर लंबे जल परिवहन तंत्र को विकसित करने के कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा वर्ष 2040 तक जयपुर, अजमेर, टोंक जिले की अतिरिक्त पेयजल आवश्यकताओं तथा जयपुर जिले के शेष ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 16.82 टीएमसी पेयजल की अतिरिक्त मांग को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन के कार्य किए जा सकेंगे।

प्रदेश के गरीब लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए गहलोत ने इस बार के बजट में 19 हजार करोड़ रुपए के महंगाई राहत पैकेज की घोषणा की है। इसमें उज्जवला योजना में शामिल प्रदेश के 76 लाख परिवारों को 500 रूपये में घरेलू गैस सिलेंडर देने व प्रदेश मे खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े एक करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना शुरू करने की घोषणा की है। जिसके तहत हर पैकेट में 1 किलो दाल, 1 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 1 लीटर खाद्य तेल और मसाले उपलब्ध करवाए जाएंगें। जिस पर राज्य सरकार तीन हजार करोड़ खर्च करेगी। गहलोत की यह योजना 2023 में सत्ता वापसी के लिए मददगार साबित हो सकती है। इसके साथ ही प्रदेश के सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह व कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने तथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में 25 लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार की सुविधा देना शामिल है। प्रदेश में सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में युवाओं से अब कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह बेरोजगार अभ्यर्थियों को बहुत बड़ी राहत दी गई है। बेरोजगार युवकों के लिए आगामी वर्ष में एक लाख नई भर्तियां करने की घोषणा कर मुख्यमंत्री ने युवाओं को भी लुभाने का काम किया है। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा तो मुख्यमंत्री का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री है। उनकी घोषणा के बाद कई राज्य सरकारों ने इस योजना को लागू करना करने की घोषणा की है। अब हर राज्य के सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन योजना के मुद्दे पर गहलोत ने भाजपा को राजनीतिक रूप से संकट में डाल दिया है। हाल ही में भाजपा शासित कर्नाटक सरकार ने भी पुरानी पेंशन योजना के अध्ययन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी हर चाल बहुत सावधानी से चल रहे हैं। उन्हें पता है कि एक तरफ उन्हें भाजपा सहित अन्य विरोधी दलों से मुकाबला करना होगा। वही पार्टी में व्याप्त अंदरूनी गुटबाजी को भी काबू में कर उन्हें चुनाव में कांग्रेस को बहुमत दिलाना होगा। तभी उनका चौथी बार मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा हो पाएगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

मौसमी बदलाव से मुकाबले में उपयोगी फसल विविधता

पंकज चतुर्वेदी

फरवरी-2023 का दूसरा हफ्ता समूचे हिमाचल प्रदेश के लिए तपती गर्मी ले आया। भले ही पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग इसे घाटे का मौसम कह रहे हैं लेकिन असली खतरा तो खेती पर मंडरा रहा है। हिमाचल की अर्थव्यवस्था का आधार फल व सब्जियों की खेती है और अचानक गर्मी से फसल बहुत हद तक खराब हो रही है। सबसे अधिक असर तो गेहूं पर पड़ रहा है जो इस समय पकने को तैयार है। अचानक इतनी गर्मी होने से दाने का सिकुड़ना तय है जिससे वजन और पौष्टिकता कम होगी। अब बहुत देर नहीं है जब बदलते मौसम के कुप्रभाव खेती पर दिखेंगे। वहीं भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान केंद्र (आईसीएआर) ने चेतावनी दी है कि मार्च के तीसरे हफ्ते के बाद बरसात होने की संभावना है और यह तैयार फसल के लिए घातक होगी। बीते कुछ सालों में मौसम का चरम होना-खासकर अचानक भारी बरसात हो जाने से खड़ी फसल की बर्बादी किसान को कमजोर करती रही है। धरती के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी और उसके उपजे जलवायु परिवर्तन का भीषण खतरा अब दुनिया के साथ-साथ भारत पर मंडरा रहा है। यह केवल असामयिक मौसम बदलाव या प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। यह भोजन, जलाशयों में पानी की शुद्धता, खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता, प्रजनन क्षमता से लेकर जीवन के सभी पहलुओं पर विषम प्रभाव डालने लगा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक शोध बताता है कि 2030 तक धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि अवश्यंभावी है। साल-दर-साल बढ़ते तापमान का प्रभाव साल 2050 में 0.80 से 3.16 डिग्री हो सकता है। तापमान में एक डिग्री बढ़ोतरी का अर्थ है कि प्रति हेक्टेयर 360 किलो फसल की कमी आ जाना। जलवायु परिवर्तन के चलते खेती के लिहाज से 310 जिलों को संवेदनशील माना गया है। इनमें से 109 जिले बेहद संवेदनशील हैं जहां अगले एक दशक में ही कृषि उपज , पशु धन ,मुर्गी पालन व मछली उत्पादन तक में कमी आने की संभावना है। तापमान बढ़ने से बरसात के चक्र में बदलाव, बेमौसम व असामान्य बारिश, तीखी गर्मी, बाढ़ व सुखाड़ की सीधी मार किसान पर पड़नी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भी जीविका के लिए खेती पर निर्भर लोगों की संख्या भले ही घटे, लेकिन उनकी आय का दायरा सिमटता जा रहा है। दरअसल, सूखे-बरसात की भरमार से किसान उधार में दबा रहता है तभी वह खेती छोड़ने को मजबूर है। भारत मौसम, भूमि-उपयोग, वनस्पति, जीवों के मामले में व्यापक विविधता वाला देश है और यहां जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर अलग किस्म से हो रहा है। लेकिन पानी बचाने, कुपोषण व भूख से निबटने की चिंता पूरे देश में एक समान है। देश में उपलब्ध ताजे पानी का 75 फीसदी अभी भी खेती में खर्च हो रहा है। तापमान बढ़ने से जल-निधियों पर असर दो दशक से जारी है। प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, भारत को जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों को कम करते हुए यदि पोषण के स्तर को कायम रखना है तब रागी, बाजरा और जई जैसे फसलों का उत्पादन बढ़ाना होगा। इस अध्ययन को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट ने किया है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक डॉ कैले डेविस ने भारत में जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों, पोषण स्तर, पानी की कमी और कृषि के लिए भूमि के अभाव पर अध्ययन किया है। उनके अनुसार भारत में तापमान वृद्धि के कारण कृषि उत्पादकता घट रही है और पोषक तत्व कम हो रहे हैं। यहां भविष्य के लिए पानी बचाना है और पोषण स्तर भी बढ़ाना है तो गेहूं-चावल पर निर्भरता कम करनी होगी। अमेरिका के आरेजोन राज्य की सालाना जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट -2017 में चेता दिया गया था कि मौसम में बदलाव के कारण पानी को सुरक्षित रखने वाले जलाशयों में ऐसे शैवाल विकसित हो रहे हैं जो पानी की गुणवत्ता प्रभावित कर रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका के करीब 60 हजार जलाशयों के जल का परीक्षण वहां के नेशनल लेक असेसमेंट विभाग ने किया और पाया कि जलाशयों में कम पानी होता है तो तापमान और अम्लीयता बढ़ जाती है। जलाशय सूखते हैं तो तलहटी में कई किस्म के खनिज और अवांछित रसायन एकत्र हो जाते हैं और जैसे ही उसमें पानी आता है तो वे उसकी गुणवत्ता पर विपरीत असर डालते हैं। ये दोनों ही हालात जल में पैदा होने वाली मछली, वनस्पति आदि के लिए घातक हैं। भारत में तो यह हालात हर साल उभर रहे हैं । जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण वातावरण में बढ़ रही कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा है। हार्वर्ड टी.एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की ताजा रिपोर्ट बताती है कि इससे हमारे भोजन में पोषक तत्वों की भी कमी हो रही है। यह भी कि धरती के तापमान में बढ़ोतरी खाद्य सुरक्षा के लिए दोहरा खतरा है। आईपीसीसी समेत कई अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों में इससे कृषि उत्पादन घटने की आशंका जाहिर की गई । इससे खाद्य संकट पैदा हो सकता है। नयी रिपोर्ट एक और बड़े खतरे की ओर आगाह कर रही है कि कार्बन उत्सर्जन से भोजन में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। चावल समेत तमाम फसलों में पोषक तत्व घट रहे हैं। इससे 2050 तक दुनिया में 17.5 करोड़ लोगों में जिंक की कमी होगी, 12.2 करोड़ लोग प्रोटीन की कमी से ग्रस्त होंगे। दरअसल, 63 फीसदी प्रोटीन, 81 फीसदी आयरन तथा 68 फीसदी जिंक की आपूर्ति पेड़-पौधों से होती है। रिपोर्ट भारत जैसे देशों के लिए चेतावनी है क्योंकि हमारे यहां पहले से कुपोषण एक बड़ी समस्या है।

विचार मंथन

महाराष्ट्र मामले में ऐतिहासिक होगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

(लेखक-सनत जैन)

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र राजनीतिक संकट से संबंधित सभी पक्षों की सुनवाई पूरी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। मुख्य न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में पांच सदस्यों की खंडपीठ ने एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता कपिल सिब्बल, ए एम सिंघवी, देवदत्त कामत एवं अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने अपने पक्ष को सुप्रीम कोर्ट के सामने बहुत डिटेल में और बहुत अच्छे से रखा है। संविधान पीठ के न्यायाधीशों ने भी समय-समय पर जिन सवालों को किया, उससे स्पष्ट लग रहा है, राज्यपाल की भूमिका सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने उपयुक्त नहीं माना। जिन सदस्यों ने दलबदल किया था, उनके दलबदल से संबंधित मामले विधानसभा अध्यक्ष के पास लंबित थे। सुप्रीम कोर्ट का यह भी मानना था, कि राज्यपाल किसी भी स्थिति में विधानसभा अध्यक्ष के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं कर सकते हैं। साथ ही बहस के दौरान यह भी राय देखने को मिली, कि जब उद्धव ठाकरे ने खुद ही फ्लोर टेस्ट के पहले अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट कैसे उस सरकार को बहाल कर सकती है। 9 दिन चली इस बहस में कई राज्यों में हुए दलबदल के बाद चुनी हुई बहुमत वाली सरकारों में परिवर्तन हुआ है। इन सभी में राज्यपालों की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट में सभी पक्षों ने अपना पक्ष रखा। जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बड़ी तेजी के साथ दलबदल कर हर राज्य में चुनी हुई सरकार को गिरा कर दलबदला करके आए दलबदलुओ के समर्थन से सरकारे बनी है। उसको लेकर दल बदल कानून, पार्टी के विहप, सांसद अथवा विधायक को पार्टी के सिंबल से चुना जाता है। ऐसी स्थिति में जब वह अपनी पार्टी छोड़ता है, तो क्या वह उसका अधिकार है। क्योंकि उसने पार्टी से चुनाव लड़ा और व्यक्तिगत राय को बनाते हुए दलबदल किया। ऐसे कई जटिल प्रश्नों के जवाब और सवाल सुप्रीम कोर्ट में हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ ने जिस तरह से मामले के सभी पहलुओं को जानने की कोशिश की है। सभी पक्षों से सभी पहलुओं पर राय ली है। उसके बाद ऐसा लगता है, कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बड़ा ऐतिहासिक होगा। इस फैसले में राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट आदेश दे सकती है। दल बदल करने वाले विधायक समूह में दल बदल करते हैं, तो सदन की सदस्यता से त्यागपत्र देकर पुनः चुनाव लड़ने, यदि पूरी पार्टी किसी दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन करती है। ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक हो सकता है. पिछले कुछ वर्षों में कई राज्यों में दल बदल के माध्यम से कई निर्वाचित सरकारों को अल्पमत की सरकार बनाकर गिराया गया। दल बदल के बाद एक पार्टी विशेष की सरकारें बनी। इसमें कई तरह के आरोप, विशेष रूप से राज्यपाल की भूमिका, पैसे को लेकर ईडी अथवा सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर दल बदल कराने की बात भी सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान सामने आई है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इस मामले को जिस तरह से मंथन किया है। उसके बाद पर्याप्त कारण है, कि राज्यपाल की भूमिका तय होगी। यदि किसी पार्टी के कुछ विधायक या सांसद दलबदल करते हैं। ऐसी स्थिति में सदन के अध्यक्ष की दल बदल कानून में मिली शक्तियां पार्टी के चुनाव चिन्ह से से चुने गए निर्वाचित प्रतिनिधि के पार्टी के प्रति और निजी अधिकार को लेकर यह फैसला बड़ा मार्गदर्शी हो सकता है। विधि क्षेत्रों और राजनीतिक हलकों में महाराष्ट्र के इस मामले को लेकर बड़ी जिज्ञासा, फैसले को लेकर बन गई है। सभी लोग बातचीत में यह मानते हैं, कि यह फैसला ऐतिहासिक होगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दल बदल कानून के बाद यह माना गया था, कि सरकारों को स्थिर बनाया जा सकेगा। लेकिन वर्तमान स्थिति में अब यह फैसला एक नया दृष्टिकोण और दल बदल कानून में जो बिसंगति है। उसको समाप्त करने में महत्वपूर्ण होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लगातार दूसरे सप्ताह बाजार में गिरावट रही

मुंबई ।

आर्थिक संकट का सामना कर रहे कई अमेरिकी बैंकों के बाद वैश्विक संकेतों के बीच 17 मार्च को समाप्त हुए हफ्ते में घरेलू शेयर बाजार के लिए ऐसा दूसरा हफ्ता रहा है जब बाजार में भारी बिकवाली की वजह से बाजार में गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार सोमवार को शुरुआत में तो बढत के साथ खुले पर ओ खिर में कमजोरी के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में सप्ताह भर गिरावट देखी गई। बीते पांचों कारोबारी दिनों पर नजर डाली जाए तो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 166.06 अंकों की बढ़त के साथ 59,301.19 पर खुला और 671 अंक गिरकर 59,135 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 42.15 अंकों की बढ़त के साथ 17,455.05 पर खुला और 176 अंक की गिरावट के साथ 17,412 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स करीब 69 अंकों की गिरावट के साथ 58,168 पर खुला और 338 अंकों की कमजोरी के साथ 57,900.19 पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी 6 अंकों की नरमी के साथ 17,160 पर खुला और 111 अंक टूटकर 17,043.30 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 261.21 अंक की मजबूती के साथ 58,161.40 पर खुला और 344.29 अंक टूटकर 57,555.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 244.20 अंक की मजबूत के साथ 17,287.50 पर खुला और 71.15 अंक की गिरावट के साथ 16,972.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 318 अंकों की कमजोरी के साथ 57,237 पर खुला और 78.94 अंक की बढ़त के साथ 57,634.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 99 अंकों की नरमी के साथ 16,873 पर खुला और 13.45 अंक की मामूली बढ़त के साथ 16,985.60 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स

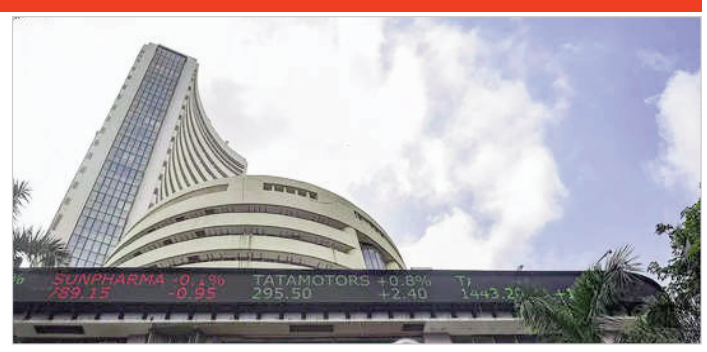

406.26 अंक (0.70 फीसदी) की बढ़त के साथ 58,041.10 पर खुला और 355.06 अंक (0.62 फीसदी) की बढ़त के साथ 57,989.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 107.90 अंक (0.64 फीसदी) की बढ़त के साथ 17,093.5 पर खुला और 114.40 अंक (0.67 फीसदी) की बढ़त के साथ 17,100 के पर बंद हुआ।

विश्व अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का जोखिम समाप्तः आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली के लिए अत्यधिक जमा या ऋण वृद्धि खराब है। उन्होंने कहा विश्व अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का जोखिम समाप्त हो गया है। हमारा वित्तीय क्षेत्र स्थिर बना हुआ है और हमने महंगाई के बुरे दौर को पीछे छोड़ दिया है। आरबीआई गवर्नर का कहना है कि हमारा विदेशी कर्ज नियंत्रण में है, इसलिए डॉलर के मजबूत होने से हमें कोई समस्या नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने डॉलर में वृद्धि के कारण उच्च विदेशी ऋण जोखिम वाले देशों की मदद के लिए जी20 देशों की ओर से समन्वित प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जी-20 देशों को युद्ध स्तर पर सबसे अधिक प्रभावित देशों को जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण प्रदान करना चाहिए। दास के अनुसार अमेरिका में जारी बैंकिंग संकट मजबूत नियामकों और सतत वृद्धि के महत्व को बढ़ाता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौजूदा अमेरिकी बैंकिंग संकट स्पष्ट रूप से वित्तीय प्रणाली के लिए निजी क्रिप्टोकरेंसी के जोखिम को दर्शाता है।

आरबीआइ ने बैंकिंग व्यवस्था में डाले 1.10 लाख करोड़

नई दिल्ली । बैंकों में चल रहे नकदी संकट को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने बैंकिंग व्यवस्था में 1.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक डाले हैं। यह आरबीआइ की ओर से 24 अप्रेल 2019 के बाद बैंकिंग सिस्टम में डाली गई सबसे बड़ी राशि है। लोन की मांग 16 फीसदी बढने और जमा केवल 10.1 फीसदी बढने से पहले से ही भारतीय बैंक में नकदी संकट चल रहा है। कंपनियों की ओर से एडवांस टैक्स जमा करने से भी बैंकिंग व्यवस्था से उल्लेखनीय रूप से नकदी निकली है, साथ ही 20 मार्च को जीएसटी भुगतान की तिथि भी है। इस वजह से बैंकों में नकदी का संकट बन गया है। 16 मार्च तक बैंकिंग व्यवस्था में 1.10 लाख करोड़ रुपए कम नकदी थी, जो अप्रेल 2022 में 7.40 लाख करोड़ रुपए थी। नकदी की कमी के कारण बैंकों की ओर से बाजार से धन जुटाने की दरों में तेज बढ़ोतरी हुई है।

जी कृष्णकुमार ने बीपीसीएल के चेयरमैन का पद संभाला

नई दिल्ली । जी कृष्णकुमार ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के नए चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कृष्णकुमार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) तिरुचिरापल्ली से इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई से वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर किया है और इससे पहले वह कंपनी के कार्यकारी निदेशक थे।सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने इस पद के लिए पिछले साल दिसंबर में कंपनी के निदेशक (वित्त) वेत्सा रामकृष्ण गुप्ता, निदेशक (रिफाइनरीज) एस खन्ना और निदेशक (विपणन) सुखमल कुमार जैन पर कृष्णकुमार को तरजीह दी थी। कंपनी ने कहा कि कृष्णकुमार ने कंपनी के यरमैन और प्रबंध निदेशक का पद संभाल लिया है।

टाटा कंज्युमर की बिसलेरी अधिग्रहण के लिए बातचीत बंद

मुंबई । टाटा समूह की रोजमर्रा के इस्तेमाल के उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) की बोतलबंद पानी की कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल के अधिग्रहण के लिए बातचीत 'बंद' हो गई है। संभावित अधिग्रहण को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए टीसीपीएल ने शेयर बाजार को बताया कि बिसलेरी के अधिग्रहण को लेकर उसने कोई समझौता नहीं किया है। टीसीपीएल ने कहा कि इस संबंध में कंपनी बताना चाहती है कि उसने बिसलेरी को लेकर बातचीत बंद कर दी है और कंपनी ने इस संबंध में कोई समझौता नहीं किया है। टाटा समूह की कंपनी ने हालांकि कहा कि वह अपने कारोबार के विकास और विस्तार के लिए विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन करती रहेगी। कंपनी का प्रबंधन बिसलेरी इंटरनेशनल सहित विभिन्न पक्षों के साथ चर्चा करता रहेगा। बिसलेरी के मालिक उद्योगपति रमेश चौहान ने पिछले साल कहा था कि वह बिसलेरी के लिए खरीदार तलाश रहे हैं और टीसीपीएल समेत कई खरीदारों के संपर्क में हैं।

टीसीएस के नये सीईओ को ग्राहक आपूर्ति दोगुना होने का भरोसा

मुंबई । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मनोनीत मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के कृतिवासन ने कहा कंपनी की कार्य संस्कृति में नए प्रमुख के कार्यभार संभालने पर महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव नहीं होते हैं। वह ग्राहक आपूर्ति बढ़ाने को लेकर आशान्वित हैं। टीसीएस के छह साल से सीईओ रहे राजेश गोपीनाथन ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। गोपीनाथन के दूसरे कार्यकाल में चार साल से अधिक का समय बाकी था। वह 15 सितंबर को अपना पद छोड़ देंगे। कंपनी ने कहा कि उसके बीएसएफआई श्रेणी के अध्यक्ष कृतिवासन तत्काल प्रभाव से सीईओ के रूप में कंपनी का नेतृत्व करेंगे। बीएसएफआई श्रेणी का इस समय कंपनी की आय में 31.5 प्रतिशत का योगदान है। गोपीनाथन (52 वर्ष) ने कहा कि वह 27 साल पहले टाटा इंडस्ट्रीज और 22 साल पहले टीसीएस से जुड़े थे और इस दौरान उन्होंने कभी भी नौकरी बदलने के बारे में नहीं सोचा। हालांकि उन्होंने 15 सितंबर के बाद की अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं किया। कृतिवासन ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा टीसीएस की कार्य संस्कृति में यह नहीं है कि अगर कंपनी को कोई नया प्रमुख मिलता है तो उसमें आमूल-चूल रणनीतिक बदलाव हों। हम ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम जारी रखेंगे। बाजार की मांग को देखते हुए बदलाव होंगे। उन्होंने कहा कि वन टीम की हमारी संस्कृति बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी में जब कोई नया सीईओ आता है तो हम रणनीतिक रूप से नहीं बदलते हैं लेकिन हम अपने ग्राहकों के अनुसार बदलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपूर्ति को दोगुना करने की उम्मीद करता हूं।

आरबीआई ने बढ़ाई रेपो रेट, एफडी पर बैंक देने लगे आकर्षक ब्याज

नई दिल्ली ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के रेपो रेट बढ़ाने के बाद से देश के प्राइवेट और सरकारी बैंक अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम को आकर्षक बनाने के लिए ब्याज दरों में इजाफा कर रहे हैं। ग्राहकों को लुभाने के लिए बैंक नई फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम भी पेश कर रहे हैं। कुछ बैंक पुरानी स्कीमों की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। पंजाब एंड सिंध बैंक ने भी अपनी ब्याज दरों से ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। बैंक अपनी एफडी पर 8.85 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है।

बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार पीएसबी उत्कर्ष 222 दिनों की एफडी पर सुपर सीनियर सिटीजन को 8.85 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं, सीनियर सिटीजन को 8.5 फीसदी और आम ग्राहकों को 222 दिनों की एफडी पर 8 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

पंजाब एंड सिंध बैंक 300 दिनों की एफडी पर सुपर सीनियर सिटीजन को 8.35 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। वहीं, सीनियर सिटीजन को 8 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। इसके अलावा 300 दिनों की एफडी में निवेश पर आम लोगों को 7.5 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा. पंजाब एंड सिंध बैंक फैबुलस प्लस 601 दिनों की एफडी पर सुपर सीनियर सिटीजन को 7.85 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को इसी एफडी पर 7.75 फीसदी और आम लोगों को 7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

पंजाब एंड सिंध बैंक एसआरएसडी-1051 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम के तहत सुपर सीनियर सिटीजन को 7.85 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है।

वहीं, सीनियर सिटीजन को इस अवधि की एफडी पर 7.5 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं, अन्य ग्राहकों को 7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। उन व्यक्तियों को सीनियर सिटीजन कहा जाता है जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा और 80 साल से कम हो। वहीं, सुपर सीनियर सिटीजन वो लोग होते हैं जिनकी उम्र 80 साल से अधिक होती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फरवरी के महीने में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट या 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। रेपो रेट बढ़ने से सभी तरह के लोन महंगे हो जाते हैं।

महंगाई दर पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में इजाफा किया था।

रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) के कुछ प्रावधानों को पूरा नहीं करने के लिए हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी) पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि कंपनी की 31 मार्च, 2022 को वित्तीय स्थिति के आधार पर एनएचबी ने कंपनी का सांविधिक निरीक्षण किया था। आरबीआई ने बताया कि निरीक्षण में इसका खुलासा हुआ कि कंपनी 2019-20 के दौरान कुछ जमाकर्ताओं की परिपक्व जमा राशि को उनके नामित बैंक खातों में स्थानांतरित नहीं कर सकी। बयान के अनुसार इसके बाद कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि क्यों न उस पर जुर्माना लगाया जाए। इसमें कहा गया कि कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक इस नतीजे पर पहुंचा कि प्रावधानों को नहीं मानने का आरोप पर्याप्त है और उस पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर आई गिरावट

- बीते 10 मार्च को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.397 बिलियन की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं है। बीते 10 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.397 बिलियन की गिरावट आई है। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार 560 अरब डॉलर का ही रह गया है। यह बीते तीन महीने का न्यूनतम स्तर है। इससे पहले तीन मार्च को सप्ताह के दौरान इसमें 1.458` बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसके साथ ही अपना विदेशी मुद्रा भंडार 562.40` बि लियन पर पहुंच गया था। उससे पहले लगातार चार सप्ताह तक इसमें कमी आई थी। वही दूसरी ओर 10 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार 5वां सप्ताह है, जबकि पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक से जारी आंकड़ों के मुताबिक 10 मार्च 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 2.397 अरब डॉलर की कमी आई है। अब अपना भंडार 560 अरब डॉलर का रह गया है। यह तीन महीने का न्यूनतम स्तर है। दरअसल, पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपया के मूल्य में गिरावट देखने को मिली।

इसलिए रिजर्व बैंक को हस्तक्षेप करना पड़ा और बाजार में डॉलर बेचे गए। यदि तीन मार्च 2023 को समाप्त सप्ताह को छोड़ दिया जाए तो उससे पहले लगातार चार सप्ताह और पिछले सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भडार में कमी हुई है। इन पांचो सप्ताहों में ही अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 18.22` बिलियन की कमी हो गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में भी कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान यह 5.3 करोड़ डॉलर घट कर 18.12 अरब डॉलर रह गया है। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार भी घटा है। अब यह 1.1 करोड़ डॉलर घट कर 5.1 अरब डॉलर रह गया है।

चालू वित्त वर्ष में 16 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.3 फीसदी बढ़ा

- व्यक्तिगत आयकर मद में 7.32 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में 16 मार्च तक केंद्र का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.3 फीसदी बढ़कर 15.71 लाख करोड़ रुपए रहा। सूत्रों ने कहा कि अग्रिम कर संग्रह में तेजी से प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में जोरदार इजाफा हुआ है। यह पूरे वित्त वर्ष के लिए संशोधित लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपए का 85.2 फीसदी और बजट अनुमान 14.2 लाख करोड़ रुपए से करीब 10 फीसदी अधिक है। 16 मार्च तक कॉर्पोरेट आय कर संग्रह में 8.11 लाख करोड़ रुपए और व्यक्तिगत आयकर मद में 7.32 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इसमें इस अवधि के दौरान प्राप्त 7.40 लाख करोड़ रुपए का अग्रिम कर संग्रह भी शामिल है। इस दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 24,093 करोड़ रुपए रहा जबकि संशोधित लक्ष्य 25,000 करोड़ रुपए है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम चालू वित्त वर्ष की चौथी और अंतिम तिमाही में प्राप्त कुल अग्रिम कर की गणना कर रहे हैं। 16 मार्च तक के आंकड़े में देय अग्रिम कर का 60 फीसदी हिस्सा शामिल है। शेष 40 फीसदी 18 से 19 महीने में दिखेगा।

उन्होंने कहा कि 16 मार्च तक की गणना के आधार पर कर संग्रह संशोधित लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपए से महज 78,821 करोड़ रुपए कम है। अग्रिम कर की चौथी किस्त अभी पूरी तरह नहीं आई है। ऐसे में इसकी पूरी संभावना है कि कुल कर संग्रह संशोधित अनुमान से अधिक रहेगा। अग्रिम कर संग्रह की अंतिम किस्त का भुगतान 15 मार्च तक करना था। मामले के जानकार एक अन्य अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 20 मार्च को चालू वित्त वर्ष के लिए पूरे देश से प्राप्त कर संग्रह की

समीक्षा कर सकता है। आम तौर पर मार्च में कर संग्रह में उल्लेखनीय इजाफा होता है क्योंकि इस दौरान अंतिम तिमाही और वित्त वर्ष का समापन होता है। सरकार को उम्मीद है कि वह इस साल कर संग्रह के संशोधित अनुमान को हासिल कर लेगी।

इस हफ्ते सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया

- सोने का घरेलू वायदा भाव 59,383 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिका में आए बैंकिंग संकट ने सोने की कीमतों में जोरदार बढ़ोतरी कर दी है। इस हफ्ते सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। सोने की कीमतें अपने सार्वजे निक उच्च स्तर को छूने की ओर बढ़ रही हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोना 60 हजार के स्तर के करीब पहुंच गया है। इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने का घरेलू वायदा भाव 59,383 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ है। शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने में 1414 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज हुई थी। वहीं चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल है। एमसीएक्स पर चांदी का भाव शुक्रवार को 3.18 फीसदी या 2118 रुपए बढ़कर 68,649 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर भी सोने-चांदी में काफी असामान्य उछाल दर्ज किया गया है। सोने की कीमतों ने पिछले पांच महीनों में शानदार रिटर्न दिया है। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 21 अक्टूबर, 2022 को 50,703 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस तरह पिछले 5 महीने में सोना 8,680 रुपए प्रति 10 ग्राम उछल चुका है। वहीं

चांदी में भी पिछले 5 महीने में जमकर तेजी आई है। 14 अक्टूबर, 2022 को एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 58,122 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। इस तरह इसमें 10,379 रुपए प्रति किलोग्राम का उछाल आ चुका है। वहीं वैश्विक बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी दर्ज हुई है। ब्लूमबर्ग के अनुसार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 2.60 फीसदी या 50.50 डॉलर बढ़कर 1990.20 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। हाजिर भाव 3.63 फीसदी की बढ़त के साथ 1989.25 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर शुक्रवार को चांदी की कीमतों में भी भारी बढ़त दर्ज की गई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 3.55 फीसदी या 0.77 डॉलर की बढ़त के साथ 22.46 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। वहीं चांदी का हाजिर भाव 4.17 फीसदी की बढ़त के साथ 22.60 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

कई देश भारत के साथ रुपए में कारोबार करने में दिखा रह रुचि

- रूस और श्रीलंका जैसे देशों का नाम शामिल

नई दिल्ली ।

भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि दुनिया के कई बड़े देश भारत के साथ रुपए में व्यापार करने में रुचि दिखा रहे हैं। रुपए में दूसरे देशों से भारत का व्यापार आसान बनाने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से भी काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इस कारण अब तक 18 देशों के 60 स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट खोले जा चुके हैं। इसमें रूस और श्रीलंका जैसे देशों का नाम शामिल है। भारत के वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने संसद को सूचित किया कि केंद्रीय बैंक (आरबीआई) की ओर से घरेलू और विदेशी बैंकों में रुपए में व्यापार करने के लिए 18 देशों के 60 स्पेशल रुपये वोस्ट्रो अकाउंट खोलने की मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्री की ओर से आगे कहा गया कि जिन 18 देशों ने भारत में स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट खुलवाएं हैं। उनमें से रूस स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने को लेकर काफी मुखर रहा है। साथ ही कहा कि भारत हमेशा से ही रुपए में निर्यात का समर्थन करता आया है। भारत में एसआरवीए खुलवाने वालों में रूस, सिंगापुर, श्रीलंका, बोत्सवाना, फिजी, जर्मनी, गुयाना, इजराइल, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, म्यांमार, न्यूजीलैंड, ओमान, सेशेल्स, तंजानिया, युगांडा और यूनाइटेड किंगडम का नाम शामिल है। रुपए में विदेशी व्यापार होने से भारत की डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी। इसके साथ अचानक आए वैश्विक उथल पुथल का असर भी देश की अर्थव्यवस्था पर कम होगा। इसके साथ ही भारतीय बैंकों को बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यापार करने का मौका मिलेगा। आरबीआई की ओर से स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट खोलने के लिए पिछले साल जुलाई में दिशानिर्देश जारी किए गए थे। किसी भी देश को भारत के साथ रुपए में व्यापार करने के लिए स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट खोलना आवश्यक है। इसके माध्यम से घरेलू बैंक, दूसरे देश की स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

फोनपे को वॉलमार्ट से 20 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त फंड मिला

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच फोनपे ने कहा कि उसने 12 अरब डॉलर के निवेश या वित्तपोषण से पहले के मूल्यांकन पर वॉलमार्ट से अतिरिक्त 20 करोड़ डॉलर (लगभग 1,649 करोड़ रुपए) की प्राथमिक पूंजी जुटाई है। पिछले वर्ष अपना मुख्यालय भारत स्थानांतरित करने के बाद से फोनपे एक अरब डॉलर तक की पूंजी जुटाने की कवायद कर रही है। यह नया वित्तपोषण भी उसी का हिस्सा है। फोनपे ने कहा कि इस वित्तपोषण के साथ कंपनी विभिन्न वैश्विक निवेशकों से 65 करोड़ डॉलर (लगभग 5,360 करोड़ रुपए) जुटा चुकी है। निवेश या वित्तपोषण से पहले का 12 अरब डॉलर का मूल्यांकन वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फोनपे को देश की सबसे मूल्यवान वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी बनाता है। बयान में कहा गया कि कंपनी को और निवेश मिलने की उम्मीद है जिनके बारे में घोषणा आने वाले समय में की जाएगी।

दूसरे एकदिवसीय में जीत के साथ ही सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भी जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा भी टीम में वापसी करेंगे। पहले एकदिवसीय में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। पहले मैच में लोकेश राहुल और रविंद्र जडेजा ने टीम को जीत दिलायी थी। ऐसे में इस मैच मे में अब सभी की नजरें इन दोनो पर ही रहेगी।

भारत में इस साल होने वाले विश्वकप को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विश्व कप के लिए दावेदार माना जाएगा। भारतीय टीम इस मुकाबले में जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी और बल्लेबाजी में भी सुधार करना चाहेगी। पहले एकदिवसीय में टीम के शीर्ष बल्लेबाज नाकाम रहे थे। एक समय टीम ने 39 रन तक चार विकेट गंवा दिये थे और बाद में स्कोर पांच विकेट पर 83 रन हो गया था जिसके बाद राहुल और जडेजा ने मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था।

कप्तान रोहित की वापसी से निश्चित रूप से शीर्ष क्रम मजबूत होगा। रोहित की वापसी से अंतिम ग्यारह में भी बदलाव होगा क्योंकि पहले एकदिवसीय में असफल रहे ईशान किशन को अब बाहर होना पड़ेगा। पहले मैच में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी क्रम ध्वस्त हो गया था। मार्कस स्टोइनिस ने ईशान को तीन रन पर आउट कर दिया था। फिर स्टार्क ने तीन विकेट झटक लिये थे जिससे भारत काफी दबाव में आ गया था। विराट कोहली , सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल भी एक-के बाद एक पवेलियन लौट गये थे। भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के बायें हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी में दिख रहे थे और ऐसे में बचे हुए दो मैचों में स्टार्क का सामना करने से उन्हें विश्वकप को देखते हुए घरेलू हालातों में अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। रोहित पारी की शुरुआत करेंगे।

विराट और शुभमन इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं सूर्यकुमार यादव को 50 ओवर के प्रारूप में रन बनाकर अपने को साबित करना होगा। टी20 अंतरराष्ट्रीय में आक्रामक बल्लेबाजी के लिये मशहूर सूर्यकुमार अब भी एकदिवसीय में वैसी ख्याति अर्जित नहीं कर पाये हैं। इस साल सभी पांच एकदिवसीय में वह अर्धशतक भी नहीं लगा पाये हैं। श्रेयस अय्यर की वापसी की अभी संभावना नहीं है। ऐसे में भारतीय टीम को चौथे नंबर के लिये सूर्यकुमार पर आधारित रहना होगा। भारतीय टीम के गेंदबाजों गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने पहले एकदिवसीय में शानदार गेंदबाजी की थी पर कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने निराश किया था। ऐसे में टीम प्रबंधन गेंदबाजी लाइन अप में बदलाव कर सकता है। हार्दिक पंड्या तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभायेंगे। दूसरे एकदिवसीय में बारिश भी बाधा बन सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव , शुभमन गिल, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, रवीन्द्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड, मिचेल मार्शा, मार्नस लाबुशेन, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, सीन एबॉट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़ाम्पा

त्रिसा और गायत्री आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप सेमीफाइनल में हारे

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी लगातार दूसरे साल आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप महिला युगल के सेमीफाइनल में हार गई। भारतीय जोड़ी को दुनिया की 20वें नंबर की कोरियाई जोड़ी बाएक ना हा और ली सो ही ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21.10, 21.10 से हराया।

गायत्री के पिता पुलेला गोपीचंद आखिरी बार 2001 में आल इंग्लैंड खिताब जीतने वाले भारतीय थे। उनसे पहले प्रकाश पादुकोण ने 1980 में यह खिताब अपने नाम किया था। 19 वर्ष की त्रिसा और 20 वर्ष की गायत्री के पास फाइनल्स में पहुंचने का बड़ा मौका था लेकिन वे सेमीफाइनल की बाधा पार नहीं कर सके। उनके सामने कोरिया की कठिन जोड़ी थे जिसमें से ली ने दो बार विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता हुआ है।

भारतीय जोड़ी अच्छी शुरूआत करने में नाकाम रही और शुरू ही में 0.4 से पिछड़ गई। अपनी लंबी रेलियों से कोरियाई जोड़ी ने दबाव बनाए रखा और 11.5 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने कुछ अंक बनाकर स्कोर 9.13 किया लेकिन इसके बाद से मुकाबला एकतरफा होता चला गया। दूसरे गेम में उन्होंने 11.2 की मजबूत बढ़त से ही शुरूआत की। भारतीयों ने कई गलतियां की जिसका उन्होंने फायदा भी उठाया और गेम तथा मैच अपने नाम कर लिया।

राहुल और जडेजा की जोड़ी ने शतकीय साझेदारी कर बनाया रिकार्ड

होबार्ट (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत दिलाने वाले बल्लेबाज लोकेश राहुल और रविन्द्र जडेजा ने अपनी शतकीय साझेदारी के दौरान एक रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में एक समय भारतीय टीम पर हार का खतरा मंडरा रहा था क्योंकि उसने 189 रनों के लक्ष्य के जवाब में 39 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। ऐसे हालात में भी राहुल और जडेजा ने एक अच्छी साझेदारी बनायी। दोनों ने छठे विकेट के लिए 108 रन जोड़े। यह भारतीय टीम की ओर से अब तक का पांचवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले साल 1999 में सदागोप्पन रमेश और रॉबिन सिंह के बीच कोलंबो में 123 रनों की साझेदारी हुई थी। वहीं साल 2017 में महेन्द्र सिंह धोनी और हार्दिक पांड्या के बीच 118 रनों की साझेदारी हुई थी। साल 2020

में रवींद्र जडेजा और हार्दिक पांड्या के बीच 150 रनों की साझेदारी हुई थी। जडेजा को इस मैच में शानदार प्रदर्शन के कारण प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मैं 8 महीने बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेल रहा हूं, इसलिए मैं जल्द से जल्द प्रारूप में ढलने की कोशिश कर रहा था। सौभाग्य से मुझे कुछ विकेट भी मिल गये। जब मैं बल्लेबाजी करने गया तो मैं राहुल के साथ साझेदारी करना चाह रहा था। मुझे पता था कि लक्ष्य छोटा था पर फिर भी हमें इसका पीछा करना था। इस मैदान पर बड़े शॉट खेलना कठिन हो रहा था।

एशिया कप 2023: टीम इंडिया को करना चाहिए पाकिस्तान का दौरा?: हरभजन

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप 2023 को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। अभी भी इस बात की चर्चा जोरों पर है कि क्या टीम इंडिया को एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए या नहीं। बीसीसीआई सचिव जय शाह पहले ही साफ कर चुके हैं कि टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसमें उन्होंने सुरक्षा का हवाला भी दिया है। हालांकि, पाकिस्तान इसके बाद से भारत को लगातार धमकी भी दे रहा है। इन सब के बीच पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह से भी इसको लेकर सवाल पूछा गया। इस सवाल के जवाब में हरभजन ने कहा कि कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम को एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करनी चाहिए। इसके साथ ही हरभजन ने पाकिस्तान में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवाल उठाया जहां उनके अपने ही लोग असुरक्षित हैं।

भारत के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन ने कहा कि भारत को पाकिस्तान की यात्रा नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह वहां सुरक्षित नहीं है और हम यात्रा का जोखिम क्यों उठा रहे हैं जब उनके ही लोग अपने देश में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं? दरअसल, यह पूरा

विवाद पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ था जब बीसीसीआई सचिव जय शाह, जो कि एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी हैं, ने मीडिया को बताया कि भारत टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा और स्थान बदलने पर जोर दिया। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़े शब्दों वाले बयान जारी किए और 2023 एकदिवसीय विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी दी।

2023 एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन भारत में ही होना है। पिछले महीने बहरीन में एसीसी की बैठक में इस मामले के बंद होने की उम्मीद थी लेकिन कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। रिपोर्ट में हालांकि दावा किया गया है कि यूएई एशिया कप 2023 के लिए एक वैकल्पिक स्थल के रूप में उभरा है, हालांकि पाकिस्तान इस आयोजन के लिए मेजबानी के अधिकार को बरकरार रखेगा।

हॉकी खिलाड़ी हार्दिक और सविता को मिला प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

नई दिल्ली। हॉकी इण्डिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह और अनुभवी महिला गोलकीपर सविता को प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया है। साल 2022 के पांचवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए हार्दिक और सविता को ये सम्मान मिला है। हार्दिक और सविता के नाम की जैसे ही घोषणा हुई पूरा हाल तालियों की गूंज उठा। दोनों को ही ट्रॉफी के साथ ही 25-25 लाख रुपये की नगद राशि दी गयी। इस पुरस्कार समारोह की शुरूआत 2021 और 2022 के से शुरू हुई थी। साल 2021 के लिए हॉकी लीजेंड और 1956 मेलबोर्न ओलम्पिक में स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य अमित सिंह बक्शी को हॉकी इंडिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया जबकि हरमनप्रीत सिंह और सविता को साल 2021 के लिए प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया था। वहीं हॉकी खेल में अभूतपूर्व योगदान के लिए गुरबक्स सिंह को साल 2022 के लिए मेजर ध्यानचंद लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए राहुल को रखें विकेटकीपर : शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिये लोकेश राहुल को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखा जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार इससे टीम की बल्लेबाजी भी मजबूत होगी। साथ ही कहा कि राहुल का इंग्लैंड में रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है। राहुल को खराब प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया। राहुल ने ऑआस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेलकर लय हासिल की है। शास्त्री को लगता है कि राहुल डब्ल्यूटीसी फाइनल में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेल सकते हैं क्योंकि युवा केएस भरत अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखा सके। शास्त्री ने कहा, '' राहुल ने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले चयनकर्ताओं की रुचि उनमें बनी रहेगी।'' शास्त्री ने कहा, ''राहुल मध्यक्रम (पाचवें और छठे नंबर) में बल्लेबाजी कर सकता है। इंग्लैंड में आपको आमतौर पर विकेटकीपिंग थोड़ी पीछे से करनी होती है। आपको ज्यादा स्पिनर नहीं लगाने पड़ते। राहुल के पास आईपीएल से पहले दो और एकदिवसीय हैं। वह इनमें अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का कर सकता है।

बांग्लादेश /आयरलैंड : तौहीद-शाकिब शतकों से चूके, बांग्लादेश ने पहले वनडे में बनाया पहाड़ सा स्कोर

खेल डैस्क। सिलहट के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ पहले ही मुकाबले में 8 विकेट खोकर 338 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश की ओर से तोहीद ने 92 और शाकिब अल हसन ने 93 रन की बड़ी पारियां खेलीं। आयरलैंड की ओर से ग्राहम हुम चार विकेट निकालने में सफल रहे। बांग्लदेश ने बीते दिनों ही इंगलैंड को तीन टी-20 मैचों की सीरीज में हराया था। अब आयरलैंड के खिलाफभी उन्होंने जोरदार शुरूआत कर बताया है कि घरेलू परिस्थितियों में उनसे टक्कर लेना आसान नहीं है।

बहरहाल, पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश को शुरूआती ओवर्स में झटका लगा जब कप्तान तमिम इकबाल 9 गेंदों में 3 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद लिटन दास ने 31 गेंदों में 26 तो हुसैन शंटो ने 34 गेंदों में 25 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया। शाकिब ने 89 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 93 रन बनाए जबकि तौहीद ने 85 गेंदों में 8 चौके और दो छक्कों की मदद से 92 रन बनाकर स्कोर 300 पार लगा दिया। तौहीद का यह डैब्यू मुकाबला है। उन्हें मुशफिकुर रहीम से कैप मिली। बांग्लादेश को रहीम का भी सहारा मिला जिन्होंने 26 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए।

महिला विश्व मुक्केबाजी : जैसमीन, शशि जीते लेकिन श्रुति हारकर बाहर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने तंजानिया की न्यांबेगा बीट्राइस को आरएससी फैसले के आधार पर महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के अपने पहले मैच में हरा दिया। शशि चोपड़ा (63 किलो) ने कीनिया की एमवांगी टेरेसिया को 5 . 0 से हराया। भारत की श्रुति यादव (70 किलो) हालांकि अपना मुकाबला हार गई जिन्हें चीन की झोउ पान ने 5 . 0 से शिकस्त दी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली जैसमीन ने 60 किलो वर्ग में 90 सेकंड में ही जीत दर्ज की। उनके घूंसे इतने दमदार थे कि तंजानिया की मुक्केबाज संभल ही नहीं सकी । पहले दिन निकहत जरीन और प्रीति ने भी अपने अपने मुकाबले आरएससी फैसले पर ही जीते थे जब रैफरी ने एकतरफा मुकाबला रोक दिया था । जैसमीन का सामना अब ताजिकिस्तान की समाडोवा मिजगोना से होगा । वहीं शशि की टक्कर जापान की किटो मेइ से होगी जो 2022 एशियाई चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता है।

यूपी ने मुंबई का विजयी रथ रोका, 5 विकेट से जीता मैच

मुंबई (एजेंसी)। यूपी वारियर्स ने शनिवार को यहां कम स्कोर वाले महिला प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में मुंबई इंडियंस को तीन गेंद रहते पांच विकेट से पराजित कर उसका विजयी अभियान थाम दिया। इंग्लैंड की बायें हाथ की स्टार स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के तीन विकेट की मदद से यूपी वारियर्स ने मुंबई इंडियंस को 127 रन पर आउट कर दिया। फिर एक्लेस्टोन के छक्के से यह लक्ष्य 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 129 रन बनाकर हासिल किया और मुंबई इंडियंस की लगातार छठी जीत दर्ज करने की उम्मीद तोड़ दी। यह मुंबई इंडियंस की टूर्नामेंट में पहली हार है। हालांकि मुंबई इंडियंस ने पहले सात ओवर में यूपी वारियर्स के तीन विकेट झटककर अच्छी शुरुआत की।

कप्तान एलिसा हीली का विकेट भी इसमें शामिल रहा जो खतरनाक साबित हो सकती थीं। अमेलिया केर ने फिर तहलिया मैकग्रा का विकेट झटका जिन पर यूपी वारियर्स की

उम्मीद टिकी हुई थी। मैकग्रा ने केर की गेंदबाजी पर उन्हें कैच देने से पहले 25 गेंद में छह चौके और एक छक्के से 38 रन बनाये। फिर ग्रेस हैरिस (39 रन, सात चौके) ने जिम्मेदारी से खेलते हुए यूपी वारियर्स को मैच में बनाये रखा। 16वें ओवर में उन्होंने अमेलिया केर पर लगातार दो चौके जड़े लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गयीं। उनका कैच लांग आन पर वोंग ने लपका।

अब फिर मैच का रूख पलट गया था और पलड़ा मुंबई इंडियंस का भारी लग रहा था। पर दीप्ति शर्मा (नाबाद 13 रन) और सोफी एक्लेस्टोन (नाबाद 16 रन) क्रीज पर थीं, दोनों की बदौलत 19 ओवर तक टीम ने पांच विकेट पर 123 रन बना लिये थे। अब अंतिम छह गेंद में पांच रन चाहिए थे। पहली दो गेंद पर कोई रन नहीं बना और तीसरी गेंद पर एक्लेस्टोन ने साइट स्क्रीन की ओर छक्का जड़ अपनी टीम को तीसरी जीत दिलायी। इससे पहले इस्सी वोंग ने अगर 19 गेंद में 32 रन नहीं बनाये होते तो मुंबई का स्कोर काफी खराब होता । कप्तान एलिसा हीली के टॉस जीतकर गेंदबाजी के फैसले को यूपी के गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया ।

आरसीबी ने जैक्स की जगह ब्रेसवेल को शामिल किया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 16 वें सत्र के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने एक बदलाव करते हुए न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल माइकल ब्रेसवेल को विल जैक्स की जगह शामिल किया है। जैक्स को आरसीबी ने 3.20 करोड़ में खरीदा था पर चोटिल होने के कारण वह आईपीएल 2023 के पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। ऐसे में अब उनकी जगह ऑलराउंडर ब्रेसवेल को अवसर मिला है। ब्रेसवेल ने इसी साल भारत दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। ब्रेसवेल एक बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं। वह बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हैं। ऐसे में आईपीएल में उनके आने से आरसीसी लाभ होगा। वहीं इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर जैक्स ने हाल ही में बांग्लादेश दौरे पर एकदिवसीय में डेब्यू किया था। जैक्स आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही अच्छे ऑफ स्पिनर भी हैं। वहीं उनकी जगह पर शामिल ब्रेसवेल ने भारत दौरे पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने हैदराबाद एकदिवसीय में निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए एक शानदार शतक जड़ा था। हालांकि उनकी टीम वह मैच नहीं जीत सकी थी पर ब्रेसवेल के खेल की हर तरफ तारीफ हुई थी। ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड की ओर से अब तक 7 टेस्ट, 19 एकदिवसीय और 16 टी20 मैच खेल चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में ब्रेसवेल 259 बनाने के साथ 19 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं वनडे में उनके नाम 15 विकेट और 510 रन शामिल है जबकि टी20 में उन्होंने 21 विकेट लिए हैं।

कभी हिट तो कभी फ्लॉप, क्या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई पारी केएल राहुल के लिए करेगी संजीवनी का काम

मुम्बई (एजेंसी)। केएल राहुल भारत के स्टार बल्लेबाज हैं। हालांकि, हाल के दिनों में उनके प्रदर्शन पर सवाल भी उठे हैं। शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई पारी के बाद उनकी खूब तारीफ भी हो रही है। लेकिन, सवाल अभी भी यही है क्या केएल राहुल लय में वापस लौट चुके हैं। 1 मार्च 2023 ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट खत्म हुआ था। दो टेस्ट मैचों में केएल राहुल पूरी तरह से फ्लॉप हुआ जिसके बाद उन्हें तीसरे टेस्ट मुकाबले में बाहर बैठना पड़ा था। इस पर माना जा रहा था कि केएल राहुल के बाद से टीम इंडिया में अब मुश्किल होगी। लेकिन 17 मार्च को खेले गए एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में केएल राहुल को टीम में खेलने का मौका मिला। वह बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में शामिल हुए। उन्होंने संयम भरी 75 रनों की पारी खेली और टीम को विकट परिस्थिति से निकालकर जीत दिलवाई।

लगभग 3 सप्ताह पहले आलोचनाओं के केंद्र में रहे केएल राहुल अचानक हीरो बन गए। लेकिन यह बात भी सच है कि केएल राहुल का बल्ला काफी लंबे समय तक शांत रहा है। यही कारण है कि उनके प्लेइंग इलेवन में चुने जाने को लेकर सवाल उठता रहा है। कुछ लोग तो यह तो कहने लगे थे कि केएल राहुल अब टीम इंडिया के लिए बोझ बन गए हैं। लेकिन केएल राहुल की आलोचना करने वाले यह भी कहते हैं कि चार-पांच मैचों में एक पारी उनकी बढ़िया होती है और उसी पारी की बदौलत है वह कई मैचों में टीम में टिके रहते हैं। यानी कि केएल राहुल की निरंतरता पर भी सवाल उठते हैं। इस साल एकदिवसीय विश्वकप होना है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या राहुल अपनी इस पारी की बदौलत टीम में एक जगह स्थायी कर चुके हैं?

केएल राहुल विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टीम में दावा मजबूत कर रहे हैं। इसका बड़ा कारण यह भी है कि ऋषभ पंत घायल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई 75 रनों के संयम भरी पारी केएल राहुल को संजीवनी प्रदान कर गई है। इससे पहले टीम इंडिया में केएल राहुल उपकप्तान थे। वह रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग का जिम्मा संभालते थे। लेकिन खराब फॉर्म की वजह से उन्हें मिडिल ऑर्डर में भेजा गया। उपकप्तानी भी चली गई। लेकिन एक्सीडेंट की वजह से ऋषभ पंत टीम से बाहर हुए और केएल राहुल को मौका दिया गया। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने जून में 'द ओवल' में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिये केएल राहुल का विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपना स्थान पक्का करने के लिये समर्थन किया और कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम का बल्लेबाजी 'लाइन-अप' मजबूत होगा।

एमएलसी टीम में हिस्सेदारी ले सकती है सीएसके

चेन्नई । आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अब मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की छह टीमों में से एक टेक्सास टीम में भी हिस्सेदारी ले सकती है। सीएसके ने कहा है कि वे अमरीका में नए टी20 टूर्नामेंट के साथ भागीदारी के बारे में शीघ्र घोषणा कर सकते हैं। यह टूर्नामेंट इस साल 13 जुलाई से शुरु होगा जिसमें छह टीमें भाग लेंगी। ये टीमें सैन फ्रांसस्को यूनिकार्न्स, लास एंजिल्स, न्यूयार्क, सीटल ओरकास, टेक्सास और वाशिंगटन डीसी आदि हैं। एमएलसी ने इससे पहले कहा था की थी कि दिल्ली कैपिटल्स भी विश्व स्तरीय क्रिकेट टीम बनाने के लिए हिस्सेदारी ले सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया के इस खूबसूरत गांव में मौजूद है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं, फिर भी नहीं है कोई रहने वाला

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कुछ ऐसी ही एक जगह है उत्तर कोरिया का किजोंग-डोंग गांव। खूबसुरती के मामले में इस गांव का कोई तोड़ नहीं है, लेकिन यहां पर कोई रहने वाला ही नहीं है। हालांकि, इस गांव में आलीशान इमारतें, साफ-सुथरी सड़कें, पानी की टंकी, बिजली, स्ट्रीट लाइट समते तमाम तरह की सुविधाएं हैं।

किजोंग-डोंग गांव साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के मिलिट्रीरहित जोन में स्थित है। साल 1953 में कोरियन वॉर के बाद हुए युद्ध विराम के दौरान इस गांव को बनाया गया था। कई लोग इस गांव को प्रोपगैंडा विलेज कहते हैं। लोगों का ये मानना है कि इस गांव का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि उथ कोरिया में रह रहे लोगों को ऐसा लगे कि यहां के लोगों की लाइफ काफी लग्जरी है।

किजोंग-डोंग का इतिहास

किजोंग-डोंग गांव के निर्माण का किस्सा भी काफी रोचक है। दरअसल, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जब कोरियाई युद्ध की अनौपचारिक समाप्ति हुई, उसी समय इस गांव का निर्माण हुआ। तीन साल तक चले इस युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दोनों देशों को अलग करने वाले क्षेत्र को डिमिलिट्राइज एरिया के रुप में जाना जाता है। युद्ध के दौरान दोनों देशों ने यहां से अपने नागरिकों को हटा दिया था। युद्ध विराम की घोषणा के समय यह तय किया गया कि दोनों देश सीमा पर सिर्फ एक ही गांव को बरकरार रख सकते थे या फिर नया गांव बसा सकते थे। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने अपनी सीमा में मौजूद फ्रीडम विलेज के रुप में जाना जाने वाला डाइसॉन्ग-डोंग को बरकरार रखा। यहां पर करीब 226 लोग रहते हैं। इतना ही नहीं इस गांव के लोगों को विशेष पहचान पत्र दिया गया है और रात 11 बजे के बाद कर्फ्यू लग जाता है।

दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने पीस विलेज के रुप में एक नया गांव किजोंग-डोंग का निर्माण करवाया। इस गांव को लेकर उत्तर कोरिया का ये दावा है कि यहां पर 200 निवासी हैं। बच्चों के लिए किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के अलावा यहां रह रहे लोगों के लिए अस्पताल भी है। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह गांव एकदम सुनसान है और यहां कोई नहीं रहता है। लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए रोजाना घरों में लाइट जलाई जाती हैं और सड़कों पर सफाईकर्मी झाड़ू लगाते नजर आते हैं। लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग नहीं दिखाई देते हैं।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पंछियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी पंख

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

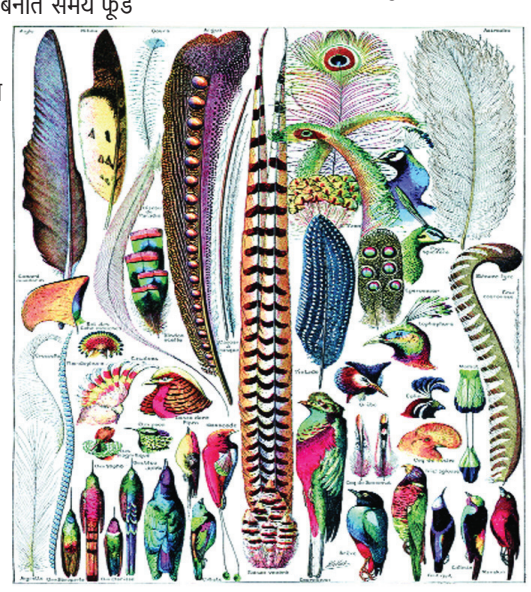

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया।

दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्राजील में हेलीकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त, 4 की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के साओ पाउलो में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गयी। अग्निशमन विभाग ने ट्वीट कर कहा कि यह हादसा शहर के पश्चिमी क्षेत्र में बर्रा फंडा के पास स्थानीय समय के अनुसार गत दिवस शुक्रवार को अपराह्न 2.35 बजे हुआ। अग्निशमन विभाग ने कहा कि दुर्घटना से नौ वाहन प्रभावित हुए हैं। वहीं मीडिया के अनुसार हेलीकॉप्टर एक रॉबिन्सन आर-44 रेवेन था और एक एयर टैक्सी कंपनी के स्वामित्व में था। मीडिया को ब्राज़ीलियाई हेलीकॉप्टर पायलट एसोसिएशन ने बताया कि साओ पाउलो में 411 निजी पंजीकृत हेलीकॉप्टर हैं और वर्ष 2021 डेटा के मुताबिक ये प्रतिदिन 2200 उड़ान भरते हैं।

सरकार के खिलाफ फांस में अविश्वास प्रस्ताव

पेरिस । फांस की मेक्रो सरकार ने पेंशन सुधार बिल पास कर दिया है। बिना वोटिंग के विशेष अधिकार के तहत यह बिल पास किया गया है। इस बिल में सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 64 वर्ष कर दी गई है। फांस के प्रधानमंत्री ने नेशनल असेंबली में संवैधानिक अधिकार के तहत बिना वोटिंग के इस बिल को पास करवा दिया है। जैसे ही इस बिल के पास होने की खबर लगी। उसके बाद हजारों की संख्या में फांस के लोग सड़कों पर उतर आए। विपक्षी नेता मरीन ली पेन ने मेक्रो सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही है। फ्रांस में जगह-जगह सरकार के इस निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। सरकार के इस निर्णय से फांस में रोष बढ़ गया है।

एक शख्स ने महिला की हत्या कर उसका दिल पकाकर परिजनों को परोसा, फिर उनको भी मार डाला

वाशिंगटन । अमेरिका में एक शख्स ने ऐसे अपराध को अंजाम दिया, जिसके बारे में सुनकर ही रुह कांप जाएगी। शख्स ने पहले तो एक महिला की हत्या की, इसके बाद उसके दिल को शरीर से काटकर निकाल दिया। मृत महिला के दिल को उसने अपने परिवार को खिलाने की कोशिश की और फिर उनकी भी हत्या कर दी। मरने वालों में चार साल की एक बच्ची भी शामिल थी। इस जघन्य अपराध के मामले में शख्स को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के ओक्लाहोमा राज्य में शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया था। 44 वर्षीय लॉरेंस पॉल एंडरसन एक अपराधी है, जिसे पहले भी जेल की सजा हो चुकी है। साल 2021 में वो ओक्लाहोमा के गवर्नर और जेल पैरोल बोर्ड की गलती से जेल से छूट गया था। जेल से रिहा होने के कुछ हफ्तों बाद ही उसने एंड्रिया ब्लेंकशिप नामक एक महिला की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने ब्लैंकशिप का दिल निकाल लिया। मृत महिला के दिल को वो अपने चाचा-चाची के घर ले गया। दिल को उसने आलू के साथ पकाया और अपने परिवार को खिलाने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद उसने अपने चाचा 67 वर्षीय लियोन पाई और उनकी 4 वर्षीय पोती केओस येट्स की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस दौरान एंडरसन ने अपनी चाची और परिवार के अन्य सदस्यों को भी चाकू से घायल कर दिया। एंडरसन को ड्रग मामले में ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट ने 20 साल की सजा सुनाई थी, लेकिन उसने बस तीन साल ही जेल में बिताए। राज्य ने जब बड़े पैमाने पर कम तीव्रता के अपराध वाले लोगों को एक मौका देते हुए उनकी सजा माफ की, तब एंडरसन भी रिहा हो गया। बाद में एक जांच में पाया गया कि एंडरसन को गलती से जेल से रिहा कर दिया। अब एंडरसन को हत्या, मारपीट और अंग निकालने का दोषी ठहराए जाने के बाद लगातार पांच आजीवन कारावास की सजा मिली है। हमले में घायल एंडरसन की चाची और परिवार के अन्य पीड़ितों ने एंडरसन को जेल से छोड़ने के लिए ओक्लाहोमा के गवर्नर और जेल पैरोल बोर्ड के खिलाफ मामला दायर किया है।

चीन में रैकून कुत्तों से फैला कोविड-19, वैज्ञानिकों ने किया खतरनाक दावा

-अभी स्पष्ट नहीं है कोरोना वायरस किस जानवर से फैला

लंदन । कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति ने शोधकर्ताओं को हैरान कर रखा है। वैज्ञानिकों को चीन के सीफूड मार्केट में कोविड-19 के संबंध में खतरनाक सबूत मिले हैं। वुहान के एक सीफूड बाजार में अवैध रूप से बेचे जाने वाले रैकून कुत्ते कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। वैज्ञानिकों की टीम ने 2020 में हुआनन सीफूड होलसेल मार्केट और आस-पास के इलाकों से जेनेटिक डेटा फॉर्म स्वैब को इकट्ठा किया था। शोधकर्ताओं ने जानवरों को ले जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्श, दीवारों, गाड़ियों और पिंजरों से स्वैब को इकट्ठा किया था। इसके टेस्टिंग से पता चला कि वहां रैकून कुत्ते कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। वायरस से संक्रमित पाए गए नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि बाजार में मौजूद रैकून कुत्ते वायरस से संक्रमित थे। वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसे सबूत इस बात की ओर इशारा करते हैं कोरोना वायरस इस जानवर से ही फैल रहा है। विश्लेषण का नेतृत्व तीन प्रमुख शोधकर्ताओं क्रिस्टियन एंडरसन, माइकल वर्बे और एडवर्ड होम्स ने किया था। फिलहाल स्टडी में यह स्पष्ट नहीं है कि वायरस किसी जानवर से फैला है, हो सकता है कि जानवर किसी संक्रमित इंसान द्वारा बाजार में ले जाया गया हो।

रूस से पाकिस्तान आया 40 हजार टन गेहूं चोरी, 67 सीनियर अफसर सस्पेंड

-रूस ने मानवीय आधार पर पाक को बड़ी राहत दी

इस्लामाबाद । तंगहाली में गुजर रहे पाकिस्तान की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हालात यह है कि विदेशों से आई राहत सामग्री भी चोरी हो रही है। दरअसल, रूस ने पाकिस्तान की मौजूदा हालत पर तरस खाकर 40 हजार टन से ज्यादा गेहूं मदद के तौर पर दिया था, लेकिन यह गेहूं जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंचा, बल्कि चोरी हो गया है। पाकिस्तान सरकार ने इस मामले में सख्ती से एक्शन लेते हुए अपने 67 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। इस नोटिस में अधिकारियों से पूछा गया है कि किसके इशारों पर गेहूं चोरी हुआ है, इसका जवाब दीजिए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कथित तौर पर सिंध खाद्य विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से सिंध प्रांत के 10 जिलों में स्थित सरकारी गोदामों से लगभग 40 हजार 392 टन गेहूं चोरी हो गया है। रूस ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान को 50 हजार टन गेहूं की आपूर्ति की थी। पाकिस्तान में खाने की कमी को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, कई लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। रूस ने मानवीय आधार पर पाकिस्तान को इतनी बड़ी राहत दी थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार मास्को नौ मालवाहक जहाजों के माध्यम से पाकिस्तान को 4 लाख 50 हजार टन गेहूं की आपूर्ति करने की योजना बना रहा है। मीडिया के अनुसार गबन में कथित संलिप्तता के लिए जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें 49 खाद्य पर्यवेक्षक और 18 खाद्य निरीक्षक शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि दादू, लरकाना, शहीद बेनजीराबाद, कंबर-शाहदादकोट, जैकोबाबाद, खैरपुर, सुक्कुर, घोटकी, संगर और मीरपुरखास जिलों में स्थित गोदामों से गेहूं की चोरी की गई थी। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार रूस से गेहूं की आपूर्ति 31 मार्च तक पूरी हो जाएगी।

अब हथियार लेकर यूक्रेन की जंग में उतरा नाटो, महायुद्ध का बढ़ा खतरा ; पोलैंड ने उकसाया

कीव । रूस से जंग में यूक्रेन का समर्थन कर रहा नाटो अब हथियारों के जरिए भी मुकाबले में उतरता दिख रहा है। अब तक नाटो देशों ने इस जंग में सक्रिय भागीदारी से दूरी बनाकर रखी थी, लेकिन अब पोलैंड ने ऐलान किया है कि वह यूक्रेन को 4 मिग-29 लड़ाकू विमान देगा। पोलैंड नाटो का ऐसा पहला देश है, जिसने यूक्रेन को जंग में हथियार देने का ऐलान किया है। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रजेज डुडा ने कहा कि इन लड़ाकू विमानों को जल्द ही यूक्रेन को सौंपा जाएगा। डुडा ने कहा कि अब तक मिग-29 एयरक्राफ्ट पोलैंड के आसमान की सुरक्षा करते रहे हैं। अब हमने यह फैसला लिया है कि यूक्रेन को भी ये लड़ाकू विमान देंगे। वहीं पोलैंड ने यूक्रेन को बड़े हथियारों की सप्लाई के मामले में अन्य नाटो देशों पर बढ़त बना ली है। पोलैंड के इस ऐलान के बाद अब नाटो के अन्य देशों पर भी यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करने का दबाव बढ़ गया है। अब तक नाटो के दूसरे देश यूक्रेन का समर्थन तो करते रहे हैं, लेकिन खुलकर हथियारों की सप्लाई करने से दूरी बनाकर रखी है। ऐसे में पोलैंड की राह पर दूसरे देश आगे बढ़ें तो युद्ध का संकट और गहरा सकता है। इस बीच चेक गणराज्य ने भी पोलैंड के साथ यूक्रेन का समर्थन करने की बात कही है।

फांस में पेंशन सुधार विधेयिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोगा।

आईसीसी ने जारी किया पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

-रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, गिरफ्तारी वारंट अर्थहीन

लंदन। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मीडिया के अनुसार अदालत का आरोप है कि वह युद्ध अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें यूक्रेन से रूस में बच्चों का अवैध निर्वासन भी शामिल है। अदालत कहता है कि यूक्रेन में 24 फरवरी 2022 से अपराध किए गए थे, जब रूस ने अपना पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था। मॉस्को ने आक्रमण के दौरान युद्ध अपराधों के आरोपों से इनकार किया है। आईसीसी ने पुतिन पर बच्चों के निर्वासन में शामिल होने का आरोप लगाया है और कहा है कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि उसने सीधे कृत्यों को अंजाम दिया, साथ ही साथ दूसरों के साथ काम किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अदालत ने यह भी कहा कि रूसी नेता बच्चों को निर्वासित करने वाले अन्य लोगों को रोकने के लिए अपने अधिकारों का प्रयोग करने में विफल रहे। रूस की बाल अधिकार आयुक्त मारिया लावोवा-बेलोवा भी आईसीसी द्वारा वांछित हैं। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तारी वारंट अर्थहीन हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टेलीग्राम पर मारिया जखारोवा ने लिखा कि अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के फैसलों का हमारे देश के लिए कोई मतलब नहीं है, जिसमें कानूनी दृष्टिकोण भी शामिल है।

पाकिस्तान को सरेंडर करना होगा अपना परमाणु बम तब मिलेंगे आईएमएफ से पैसे? आर्मी चीफ मुनीर भागे चीन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की तख्त पर बैठे हुक्मरानों और राजनेताओं की कठपुतली सरकार बिठाकर कंट्रोल अपने हाथ में रखने वाली सेना के अफसरों को बार-बार एटम बम का राग अलापते और गीदड़भभकी देते देखा होगा। लेकिन भारत को परमाणु बम की कोरी धमकी देने वाले पाकिस्तान को पहली बार ऐसा झटका लगा है, जिसे सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। इस आप भारत की एक बड़ी जीत कह सकते हैं। ये बात तो किसी से छुपी नहीं रह गई है कि पाकिस्तान इन दिनों पैसे-पैसे का मोहताज है। आटे से लेकर तेल तक की कीमतें आसमान छू रही है। सरकारी अफसरों को वेतन देने तक के पैसे मुल्क के पास नहीं बचे हैं। वहां के सियासतदां मदद का कटोरा लिए अन्य देशों के पास फरियाद लगाते भी नजर आते हैं। सभी की तरफ से मदद का भरोसा तो दे दिया जाता है, लेकिन वो ये नहीं बताते कि ये पैसा पाकिस्तान को कब, कहां और कैसे मिलेगा?

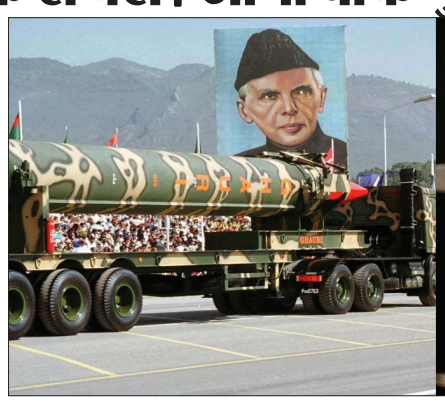

परमाणु बम सरेंडर करने की आई नौबत

आए दिन इस तरह की खबरें सामने आती रहती हैं कि इस देश ने पाकिस्तान को इतने डॉलर की मदद की, तो इस देश की तरफ से इतने की मदद राशि दी जाएगी। लेकिन ये पैसा पाकिस्तान की बैंकों में कब आएगा इसका पता तो पाकिस्तान को भी नहीं है। पाई-पाई को मोहताज मुल्क की मुसीबत से निकालने के लिए तुरंत पैसे की दरकार है और इसे आईएमएफ की सहायता से पूरा किया जा सकता है। पैसे देने के लिए आईएमएफ ने पाकिस्तान से बड़ी बात कह दी है। अपनी शर्तों में आईएमएफ ने कहा है कि उसे लॉन्ग रेंज न्यूक्लियर मिसाइल प्रोग्राम को बंद करना होगा। डिफेंस बजट में 15 फीसदी की कटौती करनी होगी। सीपैक परियोजना के तहत जहां-जहां चीन का पैसा लगा है उसका थर्ड पार्टी से ऑडिट करवाना होगा। आईएमएफ ने ये भी कहा है कि उसे अपनी जनता पर टैक्स लगाना पड़ेगा।

शहबाज शरीफ ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

आईएमएफ की मांग पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्वीट करके जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम के बारे में भ्रामक अटकलें दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हमारे परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम के विधिवत प्रमाणित कड़े, फुल प्रूफ और बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में सुरक्षित हैं। हमारा परमाणु कार्यक्रम राष्ट्र की अटूट सहमति का प्रतिनिधित्व करता है और प्रतिरोध के लिए है।

चीन की शरण में पाकिस्तान

पाकिस्तान के विदेश सचिव डॉ असद मजीद खान इस वक्त चीन में हैं। शुक्रवार को मजीद खान ने बीजिंग में चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री किन गांग से मुलाकात की है। इतना ही नहीं पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर भी चीन का दौरा करने वाले हैं। आसिम मुनीर को लग रहा है कि इमरान और शहबाज की लड़ाई में सेना कमजोर हो रही है। जियो टीवी की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार विदेश सचिव ने अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत में %दोनों देशों के बीच भाईचारे% को दोहराया। मजीद के हवाले से कहा गया, %पाकिस्तान और चीन भाई, भरोसेमंद दोस्त और शांति और विकास के स्थायी साझेदार हैं।

तोड़ा दरवाजा, घुसी अंदर, इमरान के घर पर पाक पुलिस की योगी मॉडल वाली बुलडोजर कार्रवाई

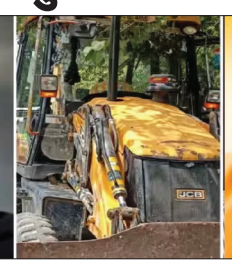

लाहौर (एजेंसी) पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने शनिवार को लाहौर में अपने जमान पार्क आवास पर चल रहे एक पुलिस ऑपरेशन की निंदा की है। पीटीआई नेता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) जफर इकबाल की अदालत में पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा अपनी संपत्ति की घोषणाओं में कथित रूप से उपहारों के विवरण को छिपाने के लिए दायर एक शिकायत पर कार्यवाही में भाग लेने के लिए पेश होने वाले हैं। उन्हें इस मामले में अभ्यारोपित किया जाना तय है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इमरान खान को इस्लामाबाद कोर्ट में पेश होने के लिए जा रहे थे, लेकिन उनके काफिले को कोर्ट जाने से पहले इस्लामाबाद टोल प्लाजा पर ही रोक दिया गया है। वहीं जब इमरान खान इस्लामाबाद के लिए निकल आए तो उनके लाहौर स्थित घर पर पुलिस पहुंची। पीटीआई कार्यकर्ताओं के बिखराव के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। बता दें कि पुलिस के इस एक्शन में इमरान के घर का दरवाजा तोड़ने के लिए बुलडोजर का भी इस्तेमाल किया गया।

इमरान खान ने एक ट्वीट में कहा, 'इस बीच पंजाब पुलिस ने जमान पार्क में मेरे घर पर हमला किया, जहां बुशरा बेगम अकेली हैं। वे किस कानून के तहत ऐसा कर रहे हैं? यह लंदन की योजना का हिस्सा है जहां एक नियुक्ति पर सहमत होने के एवज में भगोड़े नवाज शरीफ को सत्ता में लाने की प्रतिबद्धता जताई गई थी।

फांस सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ने के प्रस्ताव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ने के प्रस्ताव के खिलाफ दो दिन से जारी विरोध-प्रदर्शन शुक्रवार को हिंसक हो गए। पेरिस और अन्य शहरों में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने सांसदों पर राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की सरकार को हटाने का दबाव डालने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने विशेष शक्तियों का उपयोग कर सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 करने संबंधी विधेयक पर निचले सदन नेशनल असेंबली में मतदान को रोक दिया था, जिसके बाद सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। अविश्वास प्रस्ताव पर सोमवार को मतदान होगा।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी नेशनल असेंबली के पास एक नवीनीकृत स्थल पर चढ़ गए, जिन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने आतिशबाजी की और पुलिस पर पथराव किया। ज्यादातर विरोध-प्रदर्शन पेरिस और उसके आसपास के शहरों में हुए। बोर्डियोक्स में विरोध मार्च, जबकि तूलूस में रैली निकाली गई। कैलिस में पत्तन अधिकारियों ने डोवर जाने के लिए जहाजों के इंग्लिश चैनल पार करने पर अस्थायी रोक लगा दी है। पेरिस में कुछ विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए हैं, और प्रदर्शनकारियों ने भारी यातायात वाले रिंग रोड को जाम कर दिया है।

दरअसल, फ्रांसिसी राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री बोर्न को विशेष संवैधानिक शक्ति का उपयोग करने का आदेश दिया था। उनके इस आदेश के बाद संसद को सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 करने के अति विवादित विधेयक को बिना मतदान के मंजूरी देने के लिए विवश किया गया था। इस विधेयक को संसद में मतदान अन्यथा राष्ट्रपति की विशेष शक्तियों के माध्यम से कानूनी रूप दिया जा सकता है। इसके बाद संसदीय मतदान में बहुमत नहीं मिलने की आशंका के बीच मैक्रों ने अपनी शक्तियों के इस्तेमाल का फैसला लिया।

इस फैसले के बाद अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे निचले सदन में बहुमत से पारित कराने की आवश्यकता होगी। यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो 1962 के बाद पारित होने वाले यह पहला अविश्वास प्रस्ताव होगा और सरकार को इस्तीफा देना पड़ेगा। यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित नहीं होता है, तो पेंशन विधेयक को पारित माना जाएगा।

मैक्रों फ्रांस की अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के अपने दृष्टिकोण के मद्देनजर पेंशन बदलावों वाले इस विधेयक को आगे बढ़ाना चाहते हैं। दूसरी ओर, वामपंथी और दक्षिणपंथी सांसद इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि कजंरवेटिव सांसद इस लेकर बंटे हुए हैं।

अमेरिका के बैंकिंग सिस्टम को 51 लाख करोड़ का नुकसान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के बैंकिंग सिस्टम में 2022 के अंत तक 51 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। अमेरिका के नियमों के अनुसार अधिकतर बैंकों को बांड के मूल्य का हिसाब मैच्योर होने तक नहीं रखना पड़ता है। बैंकों को बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध अपने सभी ब्रांड के मूल निवेश की जानकारी देनी होती है।

एसबीवी को अब जाकर इसका एहसास हुआ है। जब कोई बैंक डूबता है, तब उसे अपने बांड बेचना पड़ते हैं। शेयर बाजार में शेयर की कीमत गिरने के बाद बांड पर उसका असर होता है। बैंकिंग की भाषा में इसे अनरिकगनाइज लॉसेस के रूप में जाना जाता है।

निवेशक भयभीत

2007 से 2009 के बीच ग्लोबल वित्तीय संकट ने बैंकों की खामियों को सही कर दिया होगा, ऐसा माना जाता था। 9 मार्च को सिलीकान वैली बैंक (एसवीबी) से जब एक दिन में 3। 46 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए गए। उसके बाद ही इस बैंक के डूबने की स्थिति बनी। अमेरिका के 3 बैंकों में से यह 1 बैंक है। 3 बैंकों के एक साथ डूबने की हालत के कारण अमेरिकी निवेशकों में भारी भय देखा जा रहा है।

अमेरिकी बैंकों को 18 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। यूरोप जापान में भी बैंकों के शेयरों को काफी नुकसान पहुंचा है। क्रेडिट स्विस बैंक के शेयर 24 फ़ीसदी नीचे आ गए हैं। अमेरिका में, लोग यह पूछ रहे हैं, कि 14 साल के बाद भी अमेरिका के बैंकों ने वित्तीय संकट से निपटने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए। जिसके कारण बैंकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसके कारण बैंक दिवालिया होने की कगार पर खड़े हैं।

2007 से 2009 के बीच में अमेरिका में इसी तरीके का अंधाधुंध कर्ज दिया गया था। उसके बाद जोखिम सीमित रखने के लिए नियम बनाए गए थे। बैंकों को सरकारी बांड खरीदने के लिए बढ़ावा दिया गया था। पिछले वर्षों में बैंक का ब्याज कम होने के कारण बैंकों ने बड़ी मात्रा में प्राइवेट बांड में निवेश किया। जिसके कारण अमेरिका के बैंकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अमेरिकी कानून के अनुसार बॉन्ड का मूल्यांकन मैच्योर होने के समय ही होता है। जिसके कारण जोखिम का पता नहीं लगता है। जब बैंकों के ऊपर संकट आता है, तब वास्तविक जमाकर्ता अपना पैसा निकालकर बैंक से भागने लगते हैं। जिसके कारण बैंकों को भारी नुकसान होता है। बैंकों को अपनी संपत्ति बेचकर अपने आपको बचाने का दबाव बनता है। अमेरिका में जिस तरीके की अफरा-तफरी का माहौल बना है। अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से शेयर के दाम लगातार गिर रहे हैं। उसका असर अब बैंकों पर सीधा पड़ रहा है। जिसके कारण निवेशक भयभीत होकर अपना जमा निवेश निकाल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप पर लगा कानून तोड़ने का आरोप

- विदेशों से मिले गिफ्ट्स का कोई पता नहीं, करोड़ों में है कीमत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके परिवार को विदेशी राष्ट्रों द्वारा दिए गए दो उपहारों के लापता होने की सूचना मिली है। ट्रम्प के परिवार को 100 से अधिक विदेशी उपहार मिले थे, जिनमें भारत द्वारा दिए गए गिफ्ट्स भी शामिल हैं। इन उपहारों की कीमत लगभग 300,000 डॉलर (2 करोड़ 47 लाख से अधिक) बताई जा रही है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी जांच में पाया गया कि इन गिफ्ट्स को विदेश विभाग के सामने प्रकट नहीं किया गया था, जो कि संघीय कानून का उल्लंघन है। हाउस ओवरसाइट कमेटी ऑफिस के सरकारी अधिकारियों ने ट्रम्प के उपहारों की पोल खोलने के लिए 15 पेज की रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में बताया गया कि ट्रम्प के परिवार उन देशों से दर्जनों उपहारों की रिपोर्ट करने में विफल रहा जो अमेरिका के सहयोगी नहीं हैं या उनके साथ खराब संबंध है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प के परिवार को सऊदी अरब से 48,000 डॉलर से अधिक मूल्य के 16 उपहार दिए गए। भारत से 17,000 डॉलर से अधिक मूल्य के 17 उपहार और चीन से कम से कम 5 उपहार दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प ने अपने राष्ट्रपति पद के अंतिम वर्ष में पूरी तरह से शून्य उपहार की सूचना दी, जबकि उन्होंने पिछले वर्षों में प्राप्त उपहारों में से कुछ की सूचना दी. 2020 के चुनाव से पहले ट्रम्प को साल्वाडोरन के राष्ट्रपति नायब बुकेले द्वारा खास पेंटिंग गिफ्ट्स और जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे द्वारा गोल्फ क्लब भेंट किया गया था. जिसके मूल्य 7,000 डॉलर से अधिक बताए जा रहे हैं। जापान में ट्रंप को यह गिफ्ट उनके इंटरनेशनल गोल्फ क्लब के दौरे के दौरान मिले थे। रिपोर्ट में बताया गया कि यह गिफ्ट्स लापता हैं। ट्रम्प के सहयोगियों ने कहा कि राष्ट्रपति पद के दौरान उन्हें दिए गए उपहार उनके थे और संघीय सरकार के नहीं थे, इसलिए उपहारों पर कोई रिपोर्ट नहीं दी गई।

भारत ने नहीं पाकिस्तान ने व्यापारिक गतिविधियों को बंद किया: कुमार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के संबंध हमेशा से ही खराब रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है, कि दोनों के संबंध और भी ज्यादा निचले स्तर पर आ चुके हैं। पाकिस्तान ने कंगाली के बावजूद भारत से व्यापार बंद कर दिया। नतीजा ये हुआ कि स्थिति और भी बिगड़ गई। अब पाकिस्तान को उसके ही देश में भारतीय उप उच्चायुक्त डॉ एम सुरेश कुमार ने सुना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी भी पड़ोसी देशों के साथ व्यापार बंद नहीं किया है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से व्यापारिक गतिविधियों को बंद किया गया। भारत चाहता है कि ये फिर शुरू हों।

लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पारगमन व्यापार बेहद महत्वपूर्ण था, क्योंकि सेंट्रल एशिया एक बड़ा बाजार है और भारत को यहां तक पहुंचना है। ठीक इस तरह मध्य एशिया को भी भारत पहुंचने की जरूरत थी। भारत को सबसे महत्वपूर्ण देश बताकर उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। उन्होंने कहा, हमारा सर्विस सेक्टर विकसित हुआ है और हम अब इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल की मैन्युफैक्चरिंग में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है। हम भूगोल नहीं बदल सकते, दोनों देश पड़ोसी ही रहने वाले है। इसलिए यह देखना बेहतर होगा कि हम अपनी समस्याओं का समाधान कैसे कर सकते हैं। अपनी स्थिति कैसे बदल सकते हैं। हम सामान्य संबंधों की ओर बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण वीजा की संख्या में कमी आई थी, लेकिन अब हर साल 30 हजार से ज्यादा वीजा जारी किए जा रहे हैं। मेडिकल वीजा भी दिया जा रहा है। एक समय जब पाकिस्तान में संकट है तब उन्होंने भारत के स्टार्टअप की बड़ाई की है। उन्होंने कहा, भारत में स्टार्टअप बढ़ रहा है। परंपरागत रूप से हम सिर्फ सर्विस सेक्टर के क्षेत्र में थे। अगर हम कर सकते हैं, तब आखिर पाकिस्तान क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि अगर हम ऑटो सेक्टर की बात करें, तब दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो कंपनियां भारत में काम कर रही हैं। देश के उद्योग को फायदा हो, इसकारण हमने आयात होने वाले वाहनों पर भारी टैक्स लगाया है।

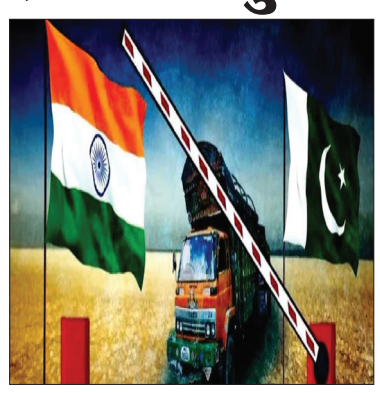

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक ब्राजीली यात्री के पेट से निकली 11 करोड़ की कोकीन, दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर ब्राजील से आए एक यात्री को कस्टम विभाग के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान यात्री के पेट से 11 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद हुई है। यह कोकीन उसने कैप्सूल में भरकर अपने पेट के अंदर छिपा रखी थी। ड्रग्स की यह खेप वह दुबई ले जाने वाला था। कस्टम विभाग के संयुक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने मीडिया को बताया कि बीते 11 मार्च को उनकी टीम ने एक गुप्त सूचना पर ब्राजील के नागरिक को पकड़ा था। वह ब्राजील से दुबई गया था और वहां से दूसरे विमान में सवार होकर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां से वह ग्रीन चैनल की तरफ गया, जहां शक होने पर कस्टम विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। आरोपी का एक्स-रे करवाया गया, जिसमें उसके शरीर में कुछ संदिग्ध सामान देखा गया। इसके बाद डॉक्टरों की मदद से उसके पेट से 85 कैप्सूल बरामद किए गए। इसके अंदर 752 ग्राम पाउडर भरा हुआ था। इसकी जांच करने पर पता चला कि यह कोकीन है। इसे लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विरोध प्रदर्शन रैली में शामिल 58 वर्षीय किसान की मौत

ठाणे । नासिक जिले से हजारों किसानों और आदिवासियों के मुंबई कूच में शामिल 58 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई है। नासिक में डिंडोरी के पास एक गांव के निवासी पुंडलिक अंबो जाधव को बेचैनी की शिकायत के बाद शुक्रवार दोपहर अस्पताल ले जाया गया था। अधिकारी ने कहा कि बेहतर महसूस करने के बाद जाधव उस स्थान पर लौट आए, जहां प्रदर्शनकारी डेरा डाले हुए हैं। अपनी मांगों को लेकर पिछले रविवार को डिंडोरी से हजारों किसानों और आदिवासियों का 200 किलोमीटर पैदल मार्च शुरू हुआ था। यह मुंबई से लगभग 80 किमी दूर ठाणे जिले के वासिंद शहर में पहुंच गया है। किसानों और आदिवासियों की मांगों में प्याज किसानों को 600 रुपये प्रति कुंतल की सहायता देना, 12 घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और कृषि ऋण माफ किया जाना शामिल है। अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे भोजन करने के बाद जाधव को उल्टी हुई और फिर बेचैनी होने लगी। उन्हें शाहपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वासिंद थाने के प्रभारी ने कहा कि आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और जाधव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में चर्चा के दौरान सदन को सूचित किया था कि उन्होंने एक किसान प्रतिनिधिमंडल से 14 सूत्रीय मांग पर चर्चा की है, जिनमें वन पर अधिकार, वन भूमि पर अतिक्रमण, मंदिर न्यासों और चारागाह की जमीन किसानों को हस्तांतरित करने की मांग शामिल है। किसानों से विरोध-प्रदर्शन रोकने की अपील करते हुए शिंदे ने कहा कि लिए गए फैसलों को तत्काल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेमौसमी बारिश और कम कीमत की वजह से नुकसान का सामना कर रहे प्याज उत्पादकों को प्रति कुंतल 350 रुपये की दर से वित्तीय राहत दी जाएगी।

यूपी में बारिश व ओलावृष्टि से फसल नुकसान की बढ़ी संभावना

-सरकार ने दिया प्रभावित किसानों को राहत देने के निर्देश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। सरकार ने मौसम से प्रभावित किसानों को राहत देने के निर्देश प्रभावित जिला प्रशासनों को दिए हैं। भदोही, कुशीनगर, लखनऊ, कानपुर, और उन्नाव समेत प्रदेश के कई इलाकों में पिछले 48 घंटों के दौरान रुक-रुककर हो रही बारिश से फसलों के नुकसान की संभावना बढ गयी है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में आया यह बदलाव फौरी है जिसके जल्द सामान्य होने के आसार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न जिलों में हुई बारिश और ओलावृष्टि को देखते हुये अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नज़र रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। उन्होंने आपदा से हुई जनहानि में प्रत्येक प्रभावित परिवार को 4 लाख रुपये की अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आंकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए, ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी से मुलाकात की

कोल्लम । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कोल्लम जिले के अमृतपुरी स्थित आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी के आश्रम पहुंचकर उनसे मुलाकात की। आश्रम ने कहा कि राष्ट्रपति का भारतीय परंपरा के साथ स्वागत किया गया तथा आश्रम की संन्यासियों ने उनके माथे पर तिलक लगाकर व माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्हें शॉल भी भेंट की गई। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने दौरे के दौरान अमृतानंदमयी के साथ आधे घंटे की मुलाकात की। माता अमृतानंदमयी अपने प्रशंसकों के बीच अम्मा के नाम से लोकप्रिय हैं। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान राष्ट्रपति के साथ थे। बाद में, राष्ट्रपति आश्रम के भवतारिणी मंदिर गईं और मैक्सिको की संसद के छह सदस्यों के साथ एक अनौपचारिक बैठक भी की, जो सिविल 20 (सी20) और ग्रुप ऑफ 20 (जी20) पहल के तहत आध्यात्मिक गुरु से मिलने आए थे। अमृतानंदमयी के पास सी20की अध्यक्षता है और यह भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत एक आधिकारिक समूह है जो नागरिक समाज और गैर-सरकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है। अमृता विश्व विद्यापीठम की प्रमुख डॉ. मनीषा वी. रमेश ने आश्रम की मानवीय पहलों के बारे में एक संक्षिप्त जानकारी दी और दुनिया भर में इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला।

आदित्य ठाकर ने केंद्र सरकार को लिखा पत्र, मुंबई में वायु प्रदूषण को लेकर ध्यान किया आकर्षित

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) की युवा इकाई युवा सेना के नेता आदित्य ठाकर ने मुंबई में व्यापक निर्माण गतिविधियों और उन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रभावी निगरानी के अभाव का हवाला देते हुए केंद्र को महानगर के वायु प्रदूषण के बारे में शनिवार को पत्र लिखा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखे पत्र में ठाकर ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में इन विषयों को देखने वाला कोई स्वतंत्र पर्यावरण मंत्री नहीं है। उन्होंने कहा, ''पिछले छह महीने में मुंबई की वायु गुणवत्ता की स्थिति वायु गुणवत्ता सूचकांक पर 'खराब' से 'बहुत खराब' रही है। महाराष्ट्र के अन्य शहरों के भी चिंताजनक वायु गुणवत्ता सूचकांक हैं।'' उन्होंने कहा कि पूरा शहर निर्माण गतिविधियां, उससे फैलने वाले धूलकणों एवं मलबों की चपेट में है और उनके काफी हिस्से का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास विभाग एवं स्थानीय निकायों की मदद के लिए कदम उठाने की जरूरत है ताकि वे यह समझ पाये कि निर्माण का शहर के पर्यावरण पर क्या असर होता है। महाराष्ट्र के पूर्व पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकर ने कहा, ''मुंबई में निर्माण गतिविधि व्यापक रूप से चल रही और वहां प्रभारी निगरानी तंत्र का अभाव है।''

विपक्ष वार्ता के लिए आगे आए तो संसद में जारी गतिरोध किया जा सकता दूर: अमित शाह

-शाह हैं आश्वस्त 2024 में मोदी लगातार तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर विपक्ष वार्ता के लिए आगे आए तो संसद में जारी मौजूदा गतिरोध को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष दो कदम आगे बढ़ाए तो सरकार उससे भी दो कदम आगे बढ़ेगी। शाह ने एक कार्यक्रम में कहा कि ऐसे कई मुद्दें हैं, जो राजनीति से ऊपर हैं। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी विदेशी धरती पर घरेलू राजनीति पर चर्चा करने से इनकार कर दिया था। शाह ने कहा कि दोनों पक्ष लोकसभा अध्यक्ष के साथ बैठें। उन्हें दो कदम आगे आना चाहिए और हम उससे भी दो कदम आगे बढ़ाएंगे, तब संसद चलेगी, लेकिन आप केवल संवाददाता सम्मेलन कीजिए और कुछ न कीजिए, ऐसा नहीं चलता।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि संसद केवल सत्ता पक्ष या केवल विपक्ष से नहीं चलती और दोनों को एक-दूसरे से बात करनी ही होती है। उन्होंने कहा कि हमारी पहल के बावजूद विपक्ष की ओर से बातचीत का प्रस्ताव नहीं आया। हम किससे बात करें? वे मीडिया से बातचीत कर रहे हैं। वे नारेबाजी कर रहे हैं कि संसद में बोलने की आजादी होनी चाहिए। संसद में बोलने की पूरी आजादी है। आपको बात करने से कोई नहीं रोक रहा। शाह ने हालांकि कहा कि सभी को नियमों का पालन करना चाहिए और उन्मुक्त नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक को नियमावली पढ़नी चाहिए और उन्हें समझना चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि संसद में बहस नियमों के तहत होती है। आप सड़क चलते व्यक्ति की तरह संसद में नहीं बोल सकते। अगर उनको इन मूल बातों की जानकारी नहीं है तो हम क्या करें। शाह ने दो घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी आपातकाल के बाद इंग्लैंड गई थीं और उस वक्त शाह आयोग का गठन हुआ था, तब इंदिरा गांधी को जेल में भेजने के प्रयास चल रहे थे। उन्होंने इंदिरा गांधी का हवाला देते हुए कहा कि उस समय कुछ पत्रकारों ने इंग्लैंड में उनसे सवाल किया कि उनका देश कैसा चल रहा है, जिस पर उन्होंने कहा था कि हमारे बीच कुछ समस्याएं हैं, लेकिन मैं उन पर यहां कुछ नहीं कहना चाहती। मेरा देश ठीक चल रहा है। मैं कुछ भी अपने देश के बारे में नहीं कहूंगी। यहां मैं एक भारतीय हूं।

अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 2024 में भी सरकार बनाएगा और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। शाह ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद तीन अहम मुद्दों जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सली समस्या का मोटे तौर पर समाधान कर दिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक करने के बाद कोई विदेशी ताकत ने देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की हिम्मत नहीं की। उन्होंने कहा कि जनता तय करेगी कि कौन देश का अगला प्रधानमंत्री होगा। मैंने देश के सभी हिस्सों का दौरा किया है और महसूस किया है कि भाजपा अगली सरकार बनाएगी और मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

अमित शाह ने जोर देकर कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियां निष्पक्ष काम कर रही हैं। केवल दो को छोड़ अधिकतर जांच किए जा रहे मामले पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में दर्ज किए गए थे। शाह ने कहा कि जांच एजेंसियां जो भी कर रही हैं, उसे अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि साल 2017 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस की एक बड़ी महिला नेता ने कहा था कि अगर वे भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं तो जांच क्यों नहीं होती। वह हमसे सवाल कर रही थीं, अब जब कार्रवाई की जा रही है तो वह शोर मचा रहे हैं।

आम आदमी पार्टी - भाजपा: राघव चड्ढा का बड़ा आरोप,

दिल्ली में केजरीवाल सरकार को गिराना चाहती है भाजपा

बेंगलुरु (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता ओर सांसद राघव चड्ढा ने आज एक बार फिर से भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा पर दिल्ली की केजरीवाल सरकार को गिराने का भी आरोप लगा दिया है। इसके अलावा फीडबैक यूनिट से जासूसी के भी आरोप पर भी उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा। राघव चड्ढा ने कहा कि भाजपा दिल्ली में चुनाव दर चुनाव हारती आई है-अब चोर दरवाज़ा ढूंढ रही है। उन्होंने विधायकों को भी धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारे विधायकों को धमकी मिल रही है कि अगर हम उपमुख्यमंत्री के साथ कर सकते हैं, तुम तो सिर्फ़ विधायक हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा अपनी नापाक कोशिशें बंद करे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने कई बार खूब कोशिश की, हमारे विधायक नहीं तोड़ पाई।

युवा नेता ने कहा कि आप के पास प्रचंड बहुमत है। हमारे पास 62 विधायक हैं और भाजपा के पास 8 विधायक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा अविश्वास प्रस्ताव की आड़ में विधायक ख़रीद कर सरकार गिराना चाहती है। जैसे मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र तक सरकारें गिराई। ये आप के विधायक को

विक्लप दे रहे हैं। भाजपा में आ जाओ या CBI-ED जेल में डाल देगी। राघव चड्ढा ने साफ तौर पर कहा कि चीन-पाकिस्तान से कैसे लड़ना है इस पर एजेंसियों का ध्यान नहीं है लेकिन वो मनीष सिसोदिया को जेल में डालती हैं। जिसके पास कोई एजेंसी नहीं, अगर वो प्रधानमंत्री, भाजपा नेताओं की जासूसी करवाता है तो क्या Raw-IB सोई हुई थी? अगर ये संभव है तो राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह है। राघव चड्ढा ने कहा कि फीडबैक यूनिट मनीष सिसोदिया पर एक और मनगढ़ंत मामला है। एक उपमुख्यमंत्री 8 साल तक केंद्र सरकार के सबसे बड़े नेताओं की जासूसी करता है। NIA, IB, RAW का पता नहीं चला? सबसे पहले ऐसे आला अधिकारियों को सस्पेंड करें। इसके अलावा उन्होंने फर्जी आईएएस का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता किरेन पटेल पीएमओ के अतिरिक्त निदेशक कश्मीर में बनकर रहता है। जो Z+ सुरक्षा, 2 जैमर दावे, 50 गनमैन लेकर चलता है, 5 सितारा होटल में रहता है। इसकी जांच एजेंसिया जांच नहीं करती क्योंकि ये बीजेपी का कार्यकर्ता है। वो मनीष सिसोदिया को जेल में डालती हैं।

जम्मू-कश्मीर : चुनाव की मांग करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, जनता का सामना करने से से डर रही बीजेपी

जम्मू (एजेंसी)। विपक्षी दलों की ओर से जम्मू-कश्मीर में लगातार चुनाव कराने की मांग की जा रही है। विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन आयोग (ईसी) से मुलाकात भी कर चुका है। इन सब के बीच चुनाव की मांग पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर इसको लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी डरी हुई है तो चुनाव नहीं होंगे और अगर वे लोगों का सामना करने के लिए तैयार हैं तो चुनाव कराने की संभावनाएं हैं। केंद्र ने 2019 में जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

इसके बाद से अब तक बहां चुनाव नहीं हुए है। निर्वाचन आयोग (ईसी) से मुलाकात के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि सीईसी ने हमारी बात सुनी और आश्वासन दिया कि आयोग जल्द ही इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक बैठक करेगा।' उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने

सीईसी और आयोग के अन्य सदस्यों को सूचित किया कि सरकार जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने का दावा करती रही है और अब जिम्मेदारी (विधानसभा चुनाव कराने की) निर्वाचन आयोग पर है। वहीं पेपर लीक मामले पर भी अपनी बात रखी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें एटेक पर रद्द करने के लिए मजबूर किया गया, वे एक धोखाधड़ी कंपनी क्यों लाए? अगर यह ब्लैक लिस्टेड कंपनी थी तो वे इसे पहले क्यों लाए? कंपनियां फ्रॉड हैं, अधिकारी फ्रॉड हैं यहां ईमानदार लोगों और युवाओं के लिए कोई न्याय नहीं है। वहीं, उप राज्यपाल ने कहा, '(विभिन्न सरकारी विभागों की रिक्तियों को भरने के लिए) परीक्षा कुछ समय के लिए स्थगित की गई है और जल्द जेकेएसएसबी संतुष्ट होने के बाद परीक्षा कराएगा।

उमेश पाल हत्याकांड में यूपी पुलिस शाइस्ता परवीन का स्केच बनवाकर पोस्टर जारी करेगी

- नकाबपोश हालत में शाइस्ता की पहचान मुश्किल

प्रयागराज (एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड को लेकर यूपी पुलिस एक्शन में है। प्रयागराज पुलिस 25 हजार रुपये की इनामी अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन का स्केच बनवा रही है। पुलिस शाइस्ता के हुलिए के आधार पर स्केच बनवाकर पोस्टर जारी करेगी।

बता दें कि शाइस्ता फरार है, उसकी गिरफ्तारी में पहचान पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। नकाबपोश हालत में शाइस्ता की पहचान करना पुलिस के लिए मुश्किल है। पुलिस के पास अब तक शाइस्ता की सारी तस्वीरें नकाब वाली हैं, चेहरे की कोई भी तस्वीर नहीं है। बिना नकाब के शाइस्ता को पहचानना मुश्किल है। इसकारण अतीक की पत्नी का पोस्टर जारी करने का फैसला लिया है।

बता दें कि उमेश पाल हत्या के मामले में अतीक के साथ-साथ उसकी पत्नी शाइस्ता भी पुलिस के निशाने पर है। पुलिस ने शाइस्ता पर 25 हजार का इनाम घोषित किया है। आरोप है कि वहां शाइस्ता ही है, जिसने न सिर्फ एक-एक शूटर से बात की, उन्हें रुपये पैसे दिए, बल्कि वारदात को अंजाम देने के बाद कैसे भागना है, कैसे छिपना है, ये सब भी बताया। पुलिस से बचने के लिए उसने ही अपने बेटे असद से शूटरों के लिए 16 मोबाइल फोन और 16 सिम कार्ड खरीदवाए और इन्हें शूटरों तक पहुंचाया था।

शाइस्ता ही अतीक, असद और अशरफ के बीच की कड़ी थी। सीसीटीवी फुटेज में वहां अतीक के शूटर साबिर के साथ जाती हुई दिखी। 19 फरवरी को शाइस्ता अतीक के शूटर बल्ली उर्फ सुधांशु के घर गई थी। हत्या के दौरान उसी ने सारे शूटरों को 1-1 लाख रुपये का खर्चा-पानी दिया था। शाइस्ता ने ही शूटरों के लिए मोबाइल फोन भी खरीदवाए थे। पुलिस की मानें, तब अतीक के जेल जाने के बाद से शाइस्ता ही अब गैंग की कमान संभाल रही है।

समलैंगिक विवाह पर बोले कानून मंत्री किरेन रिजिजू, संसद में होनी चाहिए बहस, इसे देश के लोगों पर छोड़ दें

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2023 में बोलते हुए कहा कि समलैंगिक विवाह का मुद्दा देश के लोगों के ज्ञान पर छोड़ देना चाहिए। उस मुद्दे पर विचार जो वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा जा रहा है। कानून मंत्री रिजिजू ने कहा कि मैं इसे (समलैंगिक विवाह) देश के लोगों की बुद्धिमता पर छोड़ता हूं जो देश की सोच को दर्शाता है।÷ यह पूछे जाने पर कि क्या यह मुद्दा ऐसा है जिस पर सर्वोच्च न्यायालय को फैसला करना चाहिए या इसे संसद पर छोड़ देना चाहिए, मंत्री ने कहा कि संसद में बैठे लोग देश के सभी हिस्सों को कवर करते हैं।

कानून मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अपना

अधिकार है। हमें इसके क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करना चाहिए, लेकिन समलैंगिक विवाह के मामले पर संसद में बहस होनी चाहिए और यदि संसद द्वारा पारित कोई कानून संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है, तो सर्वोच्च न्यायालय के पास परिवर्तन करने का विकल्प है। वह बात या कोई अन्य निर्णय पारित करें या इसे संसद को वापस भेजें।

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ÷अनुच्छेद 142 के तहत, सष्ट कुछ भी संदर्भित कर सकता है और निर्णय पारित कर सकता है। शीर्ष अदालत ने 6 जनवरी को विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित लगभग 15 याचिकाओं को क्लब कर अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। अदालत ने मामले को अंतिम बहस के लिए 18 अप्रैल को सूचीबद्ध किया। सुनवाई जनहित में लाइव-स्ट्रीम की जाएगी।

जिस दिन सलमान खान को मारूंगा, उस दिन गुंडा कहलाउंगा: लॉरैंस बिश्नोई

- सरेआम इंटरव्यू में गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई ने दी धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई ने गत दिवस दिए गए इंटरव्यू को लेकर मचे घमासान के बीच उसका दूसरा इंटरव्यू भी सामने आ गया है। इस बार उसका लुक बदला हुआ दिख रहा है। एक इंटरव्यू में लॉरैंस बिश्नोई कह रहा है कि जिस दिन वह अभिनेता सलमान खान को मारेगा, उस दिन गुंडा कहलाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव द्वारा एक ही दिन पहले यह दावा किया गया था कि चैनल पर चला गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई का इंटरव्यू पंजाब की किसी जेल से नहीं हुआ। उन्होंने कहा था कि इसके पुख्ता तथ्य हैं, क्योंकि लॉरैंस को 8 मार्च को राजस्थान पुलिस ने पंजाब के हवाले किया था, जिस वक्त उसके छोटे-छोटे बाल थे और दाढ़ी भी नाममात्र ही थी, जबकि इंटरव्यू में उसके बड़े-बड़े बाल और बड़ी दाढ़ी दिखाई गई थी। गत दिवस लॉरैंस बिश्नोई का इंटरव्यू का दूसरा भाग जारी किया गया, जिसमें उसके बाल भी छोटे हैं और दाढ़ी भी नाममात्र ही है। अपने कृत्य के लिए सलमान मंदिर में माफी लें तो वह खुद उनके पांव पकड़ेगा।

पीएम मोदी के अमेरिकी यात्रा को दिया जा रहा अंतिम रूप

-भारत-अमेरिका के बीच कई मुद्दों पर समझौत होने के आसार

- जो बाइडेन के मेहमान ; व्हाइट हाउस में डिनर का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले कुछ महीने में अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं। वहां अमेरिकी राष्ट्रपति उनकी मेजबानी करेंगे और सम्मान में डिनर का आयोजन करेंगे। पीएम मोदी की यात्रा और वाशिंगटन के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान भारत-अमेरिका के बीच कई मुद्दों पर समझौत होने के आसार हैं। दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में यह यात्रा काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की चालबाजी को देखते हुए यह यात्रा मायने रखती है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों की वार्ता में ड्रैगन से मजबूती और असरदार तरीके से निपटने पर भी चर्चा होने की संभावना है। इस पूरे मामले से परिचित लोगों का कहना है कि व्हाइट हाउस जून में पीएम मोदी के लिए राजकीय डिनर आयोजित करने की योजना बना रहा है। हालांकि, यात्रा के समय में बदलाव की भी संभावना है। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केप्रवक्ता ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि सितंबर में नई दिल्ली में जी-20 देश के नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को लेकर प्रमुखता से चर्चा होने की प्रबल संभावना है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आएंगे या नहीं। वहीं, जून से पहले मई में भी जो बाइडेन और पीएम मोदी की मुलाकात हो सकती है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान सिडनी में क्वाड शिखर सम्मेलन में चर्चा करने के लिए पहुंचने वाले हैं। अगर पीएम मोदी अमेरिका जाते हैं और बाइडेन के डिनर में शामिल होते हैं तो यह तीसरा मौका होगा जब वह किसी नेता को यह सम्मान देंगे। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के लिए उन्होंने डिनर का आयोजन किया था। यूक्रेन में रूसी आक्रमण के खिलाफ भारत कभी मुखर होकर नहीं बोला है। अमेरिका और

उसके सहयोगी देश रूस के खिलाफ भारत के स्टैंड की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि रक्षा क्षेत्र में भारत की रूस पर निर्भरता काफी अधिक है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

बीजेपी-शिंदे गुट का विधानसभा सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय, भाजपा 240 और शिवसेना को 48 सीटें

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,महाराष्ट्र में चल रहे ऐतिहासिक सत्ता संघर्ष की असली लड़ाई 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान देखने को मिलेगी. वर्तमान में सत्तारूढ़ शिंदे-फडणवीस सरकार आगामी चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। इसके लिए संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी और शिंदे गुट ने विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय कर लिया है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा प्रचारकों की बैठक में दिया गया बयान इस समय राजनीतिक गलियारों में गूंज रहा है. इस बयान की मानें तो आगामी विधानसभा चुनाव में

बीजेपी 240 सीटों पर और शिंदे गुट सिर्फ 48 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. जिस कार्यक्रम में चंद्रशेखर बावनकुले ने यह बयान दिया, वह पार्टी का निजी कार्यक्रम था. मीडिया को यहां जाने की इजाजत नहीं थी।

इसलिए संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी ने आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी स्तर पर 240 से 245 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है. हालांकि, वहीं कई लोगों ने सवाल उठाया है कि अगर शिंदे गुट को सिर्फ 48 सीटें मिलीं तो वे संतुष्ट हो जाएंगे. दिलचस्प बात यह है कि चंद्रशेखर बावनकुले के बयान का वीडियो शुरुआत में कई जगहों पर जारी किया गया था. हालांकि, यह वीडियो सभी जगहों से हटा दिया गया था, जैसे ही यह महसूस किया गया कि इस सीट आवंटन फॉर्मूले के कारण शिंदे समूह के साथ मतभेद होने की संभावना है।

इस वीडियो में चंद्रशेखर बावनकुले ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 में बीजेपी के 150 से 170 विधायक शत-प्रतिशत चुने जाएंगे. हम 240 सीटों के आसपास लड़ने की सोच रहे हैं। एकनाथ शिंदे के गुट के पास 50 से ज्यादा विधायक नहीं हैं।

ऐसे में अगर आप 240 सीटों पर चुनाव लड़ते हैं तो आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी, चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा।

इसका मतलब यह है कि बीजेपी आगामी विधानसभा चुनाव में शिंदे गुट के लिए सिर्फ 48 सीटें छोड़ सकती है.

महाराष्ट्र में कोरोना के केस 200 के पास, एच3एन2 से एक और मौत

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,इन दिनों महाराष्ट्र संक्रमण की दोहरी मार झेल रहा है. एक ओर जहां कोरोना ने फिर दस्तक दे दी है और आंकड़ा 200 के पास पहुंच गया है वहीं एच3एन2 से एक और मौत होने की खबर है. राज्य के स्वास्थ विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र के अकोला में एक 7 साल के बच्चे की मौत हुई है. यह बच्चा वाशिम जिले का रहने वाला था. उसका अकोला के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था. बच्चे की मौत दो दिनों पहले ही हो गई थी, लेकिन डेथ रिपोर्ट शुक्रवार को अकोला जिला अस्पताल को प्राप्त हुई. इस तरह महाराष्ट्र में अब तक एच3एन2 से मरने वालों की संख्या 3 हो गई है. इससे पहले अहमदनगर के एक मेडिकल स्टूडेंट और पिंपरी चिंचवड के एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है. इस प्रकार राज्य में एच3एन2 केस की संख्या 119 और एच1एन1 के 324 केस दर्ज किए गए हैं. फिलहाल 73 लोगों का अस्पताल में इलाज शुरू है.दूसरी तरफ गुरुवार को राज्य में कोविड के 226 केस सामने आए थे और शुक्रवार को कोरोना के 197 केस सामने आए हैं. जबकि शुक्रवार को कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की तादाद 93 रही. करीब चार महीने के बाद पहली बार ऐक्टिव कोविड पेशेंट की संख्या 1029 हो चुकी है. इस बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने लोगों से अपील की है कि खांसी, सर्दी, बुखार होने पर अपने आप से गोली लेने की बजाए डॉक्टर से चेकअप करवाएं.

- मार्च में बढ़ने लगा कोरोना

आपको बता दें कि राज्य में मार्च महीने से पहले स्थिति सामान्य थी. लेकिन मार्च में अचानक केस बढ़ने लगे. आठ मार्च तक कोरोना के 355 केस थे. लेकिन 9 से 15 मार्च के बीच एकदम से 688 केस सामने आ गए. पिछले दो हफ्ते में कोरोना केस की रफ्तार तेजी से बढ़ी है. जानकारों का कहना है कि अचानक मार्च में गर्मी की बजाए बेमौसम बरसात इस हाहाकार को बढ़ाने में एक बड़ी वजह बन रहा है. ऐसे मौसम में संक्रमण ज्यादा तेजी से होता है.

सोशल मीडिया पर शेयर कीं सुंदर-सुंदर तस्वीरें

बेटे वायु को पढ़ाती नजर आईं सोनम कपूर

एजेंसी

(मुंबई) बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों अपने बेटे के साथ समय बीता रही हैं। फिल्मों से भी अभी फिलहाल के लिए सोनम ने दूरी बना ली है। मां बनने के बाद वह अपना पूरा समय बेटे को दे रही हैं। मुंबई में परिवार के साथ समय बिताने के बाद एक्ट्रेस लंदन घूम रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह अपने परिवार वालों के साथ समय बिताती नजर आ रही हैं।

सोनम कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह अपने पति आनंद आहुजा और बेटे के साथ नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने एक नहीं बल्कि कई सारी तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा की हैं। पहली तस्वीर में सोनम अपने परिवार के साथ नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में सोनम के पति आनंद बेटे वायु पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। अगली तस्वीर में सोनम अपने बेटे वायु के साथ पोज दे रही हैं।

सोनम कपूर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस द्वारा शेयर की गई तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक तस्वीर में सोनम अपने बेटे वायु को द पेपर डॉल्स नाम की किताब पढ़ाती नजर आ रही हैं।

अनिल कपूर की लाड़ली के द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों को लोगों का काफी प्यार मिल रहा है। सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी इन तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रिया दिखाई देते हुए नजर आ रहे हैं। करीना कपूर ने कमेंट करते हुए लिखा कि जूलिया डोनाल्डसन द्वारा लिखी गई किताब द पेपर डॉल्स एकदम बेस्ट है।

सोनम के पति ने कमेंट करते हुए लिखा कि इस फीलिंग को कैसे बयां करूं। सोनम कपूर तुम्हारे लिए सराहना और तुम्हारा जादू। सोनम कपूर के जीजा और रिया कपूर के पति करण बूलानी ने कमेंट करते हुए हर्ट वाला इमोजी शेयर किया है। इन दिनों सोनम ज्यादा से ज्यादा समय अपने बेटे वायु के साथ बिता रही हैं। आए दिन एक्ट्रेस लाड़ले की तस्वीरें फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती ही रहती हैं।

विरोध प्रदर्शन रैली में शामिल 58 वर्षीय किसान की मौत

ठाणे (**एजेंसी**)। नासिक जिले से हजारों किसानों और आदिवासियों के मुंबई कूच में शामिल 58 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई है। नासिक में डिंडोरी के पास एक गांव के निवासी पुंडलिक अंबो जाधव को बेचैनी की शिकायत के बाद शुक्रवार दोपहर अस्पताल ले जाया गया था।

अधिकारी ने कहा कि बेहतर महसूस करने के बाद जाधव उस स्थान पर लौट आए, जहां प्रदर्शनकारी डेरा डाले हुए हैं। अपनी मांगों को लेकर पिछले रविवार को डिंडोरी से हजारों किसानों और आदिवासियों का 200 किलोमीटर पैदल मार्च शुरू हुआ था। यह मुंबई से लगभग 80 किमी दूर ठाणे जिले के वासिंद शहर में पहुंच गया है। किसानों और आदिवासियों की मांगों में प्याज किसानों को 600 रुपये प्रति कुंतल की सहायता देना, 12 घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और कृषि ऋण माफ किया जाना शामिल है।

अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे भोजन करने के बाद जाधव को उल्टी हुई और फिर बेचैनी होने लगी। उन्हें शाहपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वासिंद थाने के प्रभारी ने कहा कि आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और जाधव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में चर्चा के दौरान सदन को सूचित किया था कि उन्होंने एक किसान प्रतिनिधिमंडल से 14 सूत्रीय मांग पर चर्चा की है, जिनमें वन पर अधिकार, वन भूमि पर अतिक्रमण, मंदिर न्यासों और चारागाह की जमीन किसानों को हस्तांतरित करने की मांग शामिल है। किसानों से विरोध-प्रदर्शन रोकने की

अपील करते हुए शिंदे ने कहा कि लिए गए फैसलों को तत्काल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेमौसमी बारिश और कम कीमत की वजह से नुकसान का सामना कर रहे प्याज उत्पादकों को प्रति कुंतल 350 रुपये की दर से वित्तीय राहत दी जाएगी।

ग्राहकों को भगवान मानकर काम करे बैंक:भागवत कराड

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई ,बैंकिंग सेवाओं में और सुधार का आह्वान कर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने बैंकों से ग्राहकों को भगवान मानकर काम करने का आग्रह किया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) द्वारा आयोजित 'ग्राहक सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर कराड ने कहा कि बैंकों को अपनी ग्राहक सेवा में सुधार करना और समस्याओं वाले बिंदुओं को कम करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने साथ ही ग्राहकों से भी ऋण चुकाने में सहायक रहने को कहा, ताकि बैंकों की वित्तीय स्थिति अच्छी बनी रहे। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के संबंध में उन्होंने बीओएम सहित सभी बैंकों से योजना को और ज्यादा किसानों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को लघु और सीमांत किसानों, युवा और महिला उद्यमियों की मदद करने और विकास के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने की जरूरत है।

जेल में बंद ठगी के आरोपी सुकेश पर फिल्म बनाएंगे आनंद कुमार

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,बालीवुड में कई लोगों की असल जिंदगी की कुछ झलक दिखाने के लिए फिल्में और वेब सीरीज बनी हैं। संजू से लेकर स्कैम 1992 तक ऐसी कई कहानियां मौजूद हैं। अब फिल्ममेकर आनंद कुमार 200 करोड़ की ठगी के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर पर फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए उन्होंने तिहाड़ जेल के एसपी दीपक शर्मा से मुलाकात भी की और इस केस से जुड़ी कुछ जानकारी लेने की कोशिश की, जिससे फिल्म की कहानी पूरी हो सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आनंद कुमार ने कहा कि प्रोजेक्ट अभी शुरुआती स्टेज पर है। जिस तरह की रिसर्च होगी, उसके अनुसार यह तय होगा कि सुकेश चंद्रशेखर की कहानी को फिल्म के तौर पर दिखाना है या वेब सीरीज के तौर पर। आनंद कुमार ने कहा कि उनके राइटर्स अगले महीने दिल्ली में होंगे और इन्वेस्टिगेटिंग टीम के साथ केस से जुड़ी जानकारी लेंगे। जिला गाजियाबाद के डायरेक्टर

डायरेक्टर बोले- सुकेश अगर नहीं बताएगा तो ठगे गए लोगों से लेंगे जानकारी

आनंद कुमार ने कहा कि चाहे फिल्म बने या वेब सीरीज, वह इसे बायोपिक का नाम नहीं दे सकते। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि बायोपिक महान लोगों की बनती है। वह कॉनमैन है, मुझे उसे अमर नहीं करना। उन्होंने आगे कि सुकेश को 10-12 भाषाओं की जानकारी है। लोगों को ठगने की उसकी कला भी अनोखी है। मैं इस बात को दिखाना चाहता हूं कि वह कैसे इसकी प्लानिंग करता था और लोगों को ठगता था। मैं दिखाना चाहता हूं कि वह ऐसी ठगी के लिए लगभग एक साल पहले प्लानिंग करता था। भारतीय सिनेमा में ऐसी शख्सियतों को पहले कभी नहीं देखा गया। आनंद कुमार ने कहा कि वह इसके लिए पिछले छह महीने से रिसर्च कर रहे हैं।

उन्होंने अभी तक सुकेश से मुलाकात नहीं की है, लेकिन अगर वह नहीं बताएगा तो सिक्के का दूसरा पहलू भी है मेरे पास। मैं उन लोगों से बात कर सकता हूं, जिनसे इसने ठगी की है।

अमृता फडणवीस मामले में मेरी बेटी को फंसाया गया:अनिल जयसिंघानी

एजेंसी

मुंबई, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को अनिक्षा अनिल जयसिंघानी नाम की डिजाइनर द्वारा ब्लैकमेलिंग और एक करोड़ रुपया रिश्वत देने के मामले में फरार बुकी अनिल जयसिंघानी ने अपनी बेटी को ट्रैप किए जाने की बात कही है और उनका कहना है कि मेरी बेटी को फंसाया जा रहा है. एक समाचार चैनल से फोन पर बात करते हुए अनिल जयसिंघानी ने ये बात कही. चंद सेकेंड की इस बातचीत में अनिल कह रहे हैं कि उनकी तबियत ठीक नहीं चल रही है और अभी वे कुछ कहेंगे तो उनकी बेटी को लॉकअप में टार्चर करने की आशंका है इसलिए बाद में वे खुलासा करेंगे. अनिल जयसिंघानी यही कह रहे हैं कि उनकी बेटी निर्दोष है. उसे फंसाया गया है. आपको बता दें कि दो दिन पूर्व मुंबई पुलिस ने अनिक्षा जयसिंघानी को उल्हासनगर इस्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था और मुंबई सेशंस कोर्ट ने 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में उसे भेजा है. दरअसल महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीसने मुंबई के मलबार हिल पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी कि अनिक्षा ने उन्हें 1 करोड़ की रिश्वत देने की पेशकश की है. यह पेशकश अनिल जयसिंघानी पर लगे केस को रफा-दफा करवाने के लिए की गई है. यह भी आरोप है कि इनकार करने पर अनिक्षा ब्लैकमेलिंग और धमकी पर उतर आई है. उधर देवेंद्र फडणवीस ने यह बात विधानसभा में उठाई और यह भी कहा था कि पैसे भरते हुए बैग की वीडियो रिकॉर्डिंग करके उनके घर की नौकरानी के जरिए उनके घर भेजा गया. यानी उन्हें ट्रेप करने की कोशिश की गई. एक समाचार चैनल से फोन पर बातचीत में अनिल जयसिंघानी कहते हैं कि, 'मेरी बेटी पर लगे केस बोगस हैं. मैं अभी कुछ भी कहूंगा तो मेरी बेटी पुलिस कस्टडी में है, उसे टार्चर किया जाएगा. भगवान देख रहा है. गलत हो रहा है. मेरी तबीयत ठीक नहीं है. आप समझ रहे होंगे कि फंसने के बाद कोई भी तबीयत का बहाना बनाता है. पर सच्चाई है. मेरी उम्र हो चुकी है. तबीयत खराब है. इसलिए मैं अभी कुछ नहीं कह सकता. एक बार मेरी बेटी बाहर आ जाए तो सारी हकीकत में बताऊंगा. दूध का दूध पानी का पानी यूद्धरज्%

- कौन है अनिल जयसिंघानी ?

ज्ञात हो कि अनिल जयसंघानी एक फरार बुकी है. उस पर देश के पांच राज्यों में कई सारे ठगी, ब्लैकमेलिंग और अलग-अलग लोगों को धमकाने के केस दर्ज हैं. यह बात खुद देवेंद्र फडणवीस ने भी विधानसभा में जानकारी देते हुए बताई थी.

उन्होंने यह भी कहा था कि अनिल जयसिंघानी अपने ऊपर लगे केस से छुटकारा पाने के लिए महाविकास आघाड़ी सरकार के वक्त कोशिश कर रहा था, लेकिन अचानक ठाकरे सरकार गिर गई.

इसके बाद उसने अपनी बेटी के जरिए अमृता फडणवीस से संपर्क बढ़ाया. अमृता फडणवीस को रिश्वत की पेशकश इसलिए की गई क्योंकि उस पर लगे केस हटाए जा सकें. मुंबई पुलिस ने सेशंस कोर्ट में यह भी दावा किया कि अनिक्षा वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अमृता फडणवीस से 10 करोड़ रुपए की वसूली करना चाह रही थी.

मुंबई में बीजेपी का बागेश्वर धाम दरबार लगाने का विरोध शुरू

एजेंसी

मुंबई,बागेश्वर धाम के विवादित कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का शनिवार को मीरा-रोड में आगमन हो रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी की ओर से किया गया है। हालांकि, इस कार्यक्रम को लेकर शहर में भारी विरोध भी हो रहा है। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने पुलिस से शिकायत की है, तो वहीं मनसे ने भी इस कार्यक्रम को रोकने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बीजेपी की विधायक गीता जैन, जिलाध्यक्ष रवि व्यास, कोषाध्यक्ष सुरेश खंडेलवाल की ओर से शनिवार और रविवार को प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। लगभग 7 एकड़ मैदान में इसकी तैयारी की गई है।

विवादित कथावाचक के इस कार्यक्रम को लेकर राज्य भर में विरोध हो रहा है। मीरा-भाईंदर में भी इसका विरोध शुरू हो

अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति, मनसे व कांग्रेस ने कार्यक्रम रोकने की मांग की

गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पाटोले ने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम का विरोध किया है, तो वहीं मीरा-भाईंदर मनसे नेता संदीप राणे ने भी इस कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की है। महाराष्ट्र राज्य अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने